वक्रतुण्ड महाकाय,
सूर्य कोटी समप्रभा।
निर्विघ्नं कुरु मे देव,
सर्व-कार्येशु सर्वदा।।

दिव्य आकाश

कोरबा का प्रथम बहुरंगीय हिन्दी/साप्ताहिक अखबार

सुविचार
नारायण चींटी के पैरों में बंधी पायल की आवाज भी सुन लेते हैं, नारायण को बुलाने के लिए चिल्लाना नहीं पड़ता।
-मृदुलकांत शास्त्री

वर्ष-15, अंक -22 | कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 06 से 12 सितंबर 2024 | पृष्ठ-8, मूल्य - रू. 3.00

बजरंग पूनिया को जान से मारने की धमकी

पानीपत (एजेंसी)।

हरियाणा के रेसलर बजरंग पूनिया को कांग्रेस में शामिल होने के 2 दिन बाद जान से मारने की धमकी मिली है। यह धमकी उन्हें वॉट्सऐप मैसेज के जरिए मिली है। वॉट्सऐप पर उन्हें विदेशी नंबर से मैसेज आया है, जिसमें जान से मारने की धमकी दी गई है। कांग्रेस ने बजरंग पूनिया को ऑल इंडिया किसान कांग्रेस का वर्किंग चेयरमैन बनाया है।

बजरंग पूनिया को भेजे वॉट्सऐप मैसेज में लिखा गया है कि बजरंग कांग्रेस छोड़ दो, वर्ना तेरे और तेरे परिवार के लिए ये अच्छा नहीं होगा। ये हमारा आखिरी संदेश है। चुनाव से पहले हम दिखा देंगे, हम क्या चीज हैं। जहां शिकायत करनी है, कर लो ये हमारी पहली और आखिरी चेतावनी है। बजरंग पूनिया ने सोनीपत के बहालगढ़ थाना में शिकायत दर्ज करवाई है। सोनीपत पुलिस के प्रवक्ता एएसआई रविंद्र ने कहा कि बजरंग पूनिया की शिकायत मिली है। इसमें बजरंग ने बताया है कि उन्हें एक अज्ञात नंबर से वॉट्सऐप पर धमकी मिली है। इसकी जांच की जा रही है। वहीं इस बारे में एएसआई नायब सैनी ने कहा कि इसकी जांच करेंगे और जो भी दोषी होगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा।

बलौदाबाजार में आकाशीय बिजली गिरने से 7 की मौत

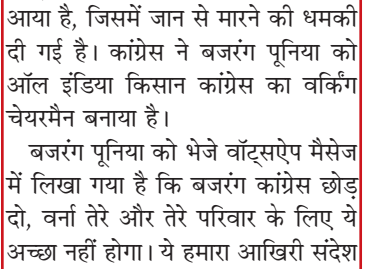

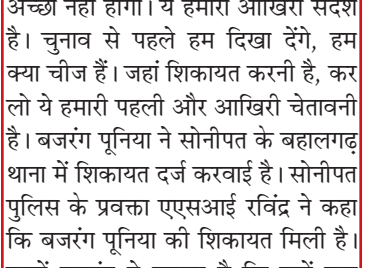

बलौदाबाजार (एजेंसी)।

बलौदाबाजार में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 9 लोगों की जान चली गई। बलौदाबाजार जिले में 7 लोगों की एक साथ मौत हो गई। सभी रविवार करीब शाम 5 बजे पेड़ के नीचे बैठकर बातचीत कर रहे थे। वहीं अभनपुर में भी भाई-बहन की मौत हुई है।

7 लोगों की मौत का मामला सिटी कोतवाली थाना इलाके के मोहतरा गांव का है। जानकारी के मुताबिक, गांव के कुछ लोग तालाब किनारे पेड़ के नीचे बैठकर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान अचानक मौसम बदला और आकाशीय बिजली गिरी। इसकी चपेट में 10 लोग आ गए, 3 लोगों का इलाज जारी है।

मृतकों के नाम-

मुकेश पिता राजन उम्र 20 साल
टंकार पिता हेमलाल साहू उम्र 30 साल
संतोष पिता महेश साहू उम्र 40 साल
थानेश्वर पिता दाउ साहू उम्र 18 साल
पोखराज पिता दुखू विश्वकर्मा उम्र 38 साल
देव पिता गोपाल दास उम्र 22 साल
विजय पिता तिलक साहू उम्र 23 साल

जिला अस्पताल पहुंचे गांव वाले

7 लोगों की मौत के अलावा 3 लोग घायल भी हैं। चेतन साहू, बिंदराम साहू और बिसंभर साहू का इलाज जिला अस्पताल में जारी है। घटना के बाद बड़ी संख्या में गांव वाले जिला चिकित्सालय पहुंचे हैं। वहीं मृतकों के शव का पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

हर संभव सहायता दी जाएगी-मंत्री टंकराम

मंत्री टंकराम वर्मा ने भी जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना। साथ ही पीड़ित परिवार से भी बातचीत की। मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि, बहुत दुखद घटना है, हम पीड़ित परिवारों के साथ और हर संभव मदद करेंगे।

अबूझमाड़ में आर्मी कैंप पर सीएम बोले-किसी को संदेह नहीं

साय ने कहा-अमित शाह ने जारी की है नक्सलवाद के खात्मे की डेट लाइन

रायपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद से लड़ने के लिए आर्मी के कैंप खुलने को लेकर सीएम विष्णुदेव साय ने कहा है कि इसका नक्सलवाद से कोई संबंध नहीं है। सबको पता है पूरे देश को पता है। नक्सलवाद के साथ हम मजबूती के साथ लड़ रहे हैं।

गृह मंत्री अमित शाह ने मार्च 2026 में देश नक्सलवाद का खात्मा का डेट लाइन घोषित कर दिया है, इसमें किसी को संदेह नहीं होना चाहिए।

दरअसल, छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ में इंडियन आर्मी का कैंप खोलने की तैयारी है। यह पहली बार होगा, जब बस्तर में आर्मी अपना बेस कैंप खोलेगी। इसके लिए जमीन

का सर्वे भी किया जा चुका है। अबूझमाड़ इलाके को नक्सलियों का सबसे मजबूत ठिकाना माना जाता है। करीब 10 साल पहले कोंडागांव में आर्मी जवानों की ट्रेनिंग हुई थी।

प्रदर्शन करना विपक्ष धर्म

कांग्रेस पार्टी पूरे प्रदेश में सीमेंट के बढ़े हुए दरों को वापस लेने की मांग को लेकर 11 सितंबर को पूरे राज्य में प्रेसवार्ता करेगी और 12 सितंबर को सभी जिला मुख्यालयों में धरना प्रदर्शन होगा। कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर सीएम साय ने कहा विपक्ष रहते हुए प्रदर्शन करना उनका धर्म है, वो विपक्ष का धर्म निभा रहे हैं।

हेमा मालिनी की प्रस्तुति अद्भुत थी-सीएम

रायगढ़ दौरे को लेकर सीएम साय ने कहा चक्रधर समारोह का शुभारंभ किया। संगीत सम्राट राजा चक्रधर सिंह के यादगार में समारोह होता है। रायगढ़ के प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम, वित्त मंत्री ओपी चौधरी भी शामिल हुए। स्थानीय विधायक और वरिष्ठ नेता भी शामिल हुए। बड़े गरिमामय वातावरण में समारोह का शुभारंभ किया। कल शुभारंभ में पद्मश्री हेमा मालिनी का राधा रास बिहारी का कार्यक्रम हुआ। बेहद अद्भुत था लोगों ने बेहद पसंद किया।

एक सशक्त व निडर जिला न्यायपालिका ही लोगों के अधिकारों की रक्षा करने में और न्याय प्रदान करने में सक्षम होगी- न्यायमूर्ति सूर्यकान्त

बिलासपुर।

छत्तीसगढ उच्च न्यायालय बिलासपुर में रविवार को जिला न्यायपालिका के सशक्तीकरण व सिविल व आपराधिक विधि पर राज्य स्तरीय कान्फ्रेंस आयोजित किया गया। इस एतिहासिक कान्फ्रेंस के मुख्य अतिथि सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकान्त और कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा एवं न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा रहे। इस कान्फ्रेंस में उच्चतम न्यायालय के तीन न्यायमूर्तिगणों द्वारा एक साथ भागीदारी किया जाना कान्फ्रेंस की गंभीरता व महत्व तथा भारत की न्यायपालिका के आधारशिला जिला न्यायपालिका की न्यायदान में महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित

करता है। राज्य स्तरीय कान्फ्रेंस का उदघाटन भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकान्त द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। मुख्य अतिथि सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकान्त द्वारा अपने उद्बोधन में व्यक्त किया कि पक्षकारों के सम्पर्क में सर्वप्रथम जिला न्यायपालिका आती है, ऐसी दशा में जिला न्यायपालिका की जिम्मेदारी व भूमिका महत्वपूर्ण है और यदि न्यायाधीश निर्णय लेने के लिए प्रतिबद्ध है तो कोई प्रक्रियात्मक व तकनीकी अड़चन न्यायाधीश को एक तार्किक निर्णय लेने में बाधा नहीं बन सकती है। न्यायाधिपति ने इस बात पर जोर दिया कि न्यायदान में आने वाली तकनीकी व प्रक्रियात्मक बाधाओं के प्रति व्यक्तिगत दृष्टिकोण अपनाने के बजाय ऐसी बाधाओं के प्रभावी निवारण के लिए संस्थागत दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए। माननीय न्यायाधिपति महोदय ने तुच्छ व तुक्के वाली मुकदमेबाजी की बढ़ती प्रवृत्ति को हतोत्साहित करने के संबंध में जोर दिया कि न्यायपालिका में झूठ व बेबुनियाद मामलों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए एक मजबूत व साहसी जिला न्यायपालिका तुच्छ व तुक्के वाली मुकदमेबाजी को निपटने में सक्षम हो सकती है। न्यायाधिपति ने जिला न्यायपालिका के सदस्यों को साहस व ईमानदारी के साथ निर्णय लेने का आह्वान किया।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट की टीम घोषित

यश दयाल को पहली बार मौका, सरफराज-जुरेल भी शामिल; राहुल, पंत और कोहली की वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बांग्लादेश के खिलाफ 2 टेस्ट की सीरीज के पहले मुकाबले के लिए टीम इंडिया की घोषणा हो गई है। 19 सितंबर से चेन्नई में खेले जाने वाले मुकाबले के लिए 16 मेंबर्स की टीम चुनी गई। मिडिल ऑर्डर में सरफराज खान और विकेटकीपर ध्रुव जुरेल को शामिल किया गया।

लेफ्ट आर्म पेसर यश दयाल को पहली बार टेस्ट टीम में मौका मिला। विराट कोहली, केएल राहुल और विकेटकीपर ऋषभ पंत भी बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज से टेस्ट टीम में वापसी करेंगे। तीनों इंग्लैंड के खिलाफ पिछली सीरीज का हिस्सा नहीं थे।

4 युवाओं को शामिल किया स्क्वॉड में

मिडिल ऑर्डर बैटर सरफराज खान, विकेटकीपर ध्रुव जुरेल, तेज गेंदबाज आकाश दीप और यश दयाल को शामिल किया गया है। दयाल को छोड़कर बाकी तीनों प्लेयर्स ने इसी साल इंग्लैंड के खिलाफ हुई सीरीज में डेब्यू किया था। दयाल ने दलीप ट्रॉफी के फर्स्ट राउंड में 4 विकेट लिए थे।

दलीप ट्रॉफी नहीं खेलने वाले 6 प्लेयर्स

ने बनाई जगह दलीप ट्रॉफी नहीं खेलने वाले 6 सीनियर प्लेयर्स ने टीम में जगह बनाई। इनमें कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज शामिल हैं। कोहली को छोड़कर बाकी पांचों प्लेयर्स ने इंग्लैंड के खिलाफ इसी साल फरवरी-मार्च में टेस्ट सीरीज खेली थी। विराट निजी कारणों से सीरीज नहीं खेल सके थे।

इंग्लैंड के खिलाफ खेलने वाली टीम में 4 बदलाव इंग्लैंड के खिलाफ इसी साल भारत ने जनवरी से मार्च के बीच 5 टेस्ट की सीरीज खेली थी। उस स्क्वॉड

के 12 प्लेयर्स को जगह मिली, जबकि 4 नए प्लेयर्स शामिल किए गए। जिनमें विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत और यश दयाल शामिल हैं। कोहली पारिवारिक कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ नहीं खेल सके थे। जबकि पंत और राहुल इंजर्ड थे। दयाल को घरेलू क्रिकेट में अच्छी परफॉर्मेंस के कारण शामिल किया गया।

बांग्लादेश से 2 टेस्ट और 3 टी-20 खेलेंगे बांग्लादेश का भारत दौरा 19 सितंबर से शुरू होगा। चेन्नई में पहला टेस्ट और 27 सितंबर से कानपुर में दूसरा टेस्ट खेला जाएगा। 6, 9 और 12 अक्टूबर को 3 टी-20 खेले जाएंगे। मुकाबले ग्वालियर, दिल्ली और हैदराबाद में होंगे। पहले टेस्ट के लिए टीम इंडिया रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह और यश दयाल।

कोरबा के बालिका गृह में किशोरी ने की आत्महत्या

बाथरूम में लगाई फांसी; वजह का नहीं चला पता, जांच में जुटी पुलिस

कोरबा (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ के कोरबा में रामपुर बालिका गृह में एक 16 साल की किशोरी ने बाथरुम में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना की सूचना बालिका गृह के प्रबंधन ने सिविल लाइन थाना पुलिस को दी। जहां पुलिस मौके पर पहुंच घटनाक्रम की जानकारी ली और आगे की जांच में जुटी हुई है।

नाबालिग ने यह कदम क्यों उठाया है, यह बात अब तक सामने नहीं आई है। पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे हैं। वहीं इसकी सूचना जिला प्रशासन को भी दी गई है।

पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतार कर पीएम के लिए जिला मेडिकल कॉलेज भेजा है। एएसपी यूबीएस चौहान ने बताया कि बालिका गृह में बालिका ने टॉयलेट में फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया है। सिविल लाइन थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच की जा रही है।

सरगुजा के एलुमिना-प्लांट में हॉपर गिरा: 4 मजदूरों की मौत

विधायक मिंज बोले- कंपनी पर होगी कार्रवाई

सरगुजा (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ के सरगुजा में एलुमिना प्लांट में हॉपर गिरने से 4 मजदूरों की मौत हो गई। मां कुदरगढ़ी प्लांट में कोयले से लोड हॉपर और करीब 150 फीट बेल्ट गिरने से यह हादसा हुआ। हॉपर गिरने से 7 मजदूर दब गए थे।

रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान 4 मजदूरों की डेड बॉडी मिली। वहीं 3 लोगों को मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल अंबिकापुर में भर्ती किया गया है। इसमें से एक की हालत गंभीर है। वहीं हादसे के दौरान 2 लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई।

सिलसिला में संचालित मां कुदरगढ़ी एलुमिना प्लांट में सुबह करीब 11 बजे काम चल रहा था। बताया जा रहा है हॉपर में कोयला ओवरलोड था। आशंका है कि, इसी के चलते हादसा हुआ होगा। फिलहाल

रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा कर लिया गया है।

लुंड्रा विधायक मौके पर पहुंचे, बोले- होगी कार्रवाई

मौके पर लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज भी पहुंचे। विधायक ने कहा कि कंपनी का कोई जिम्मेदार व्यक्ति मौके पर नहीं है। स्ट्रक्चरल इंजीनियर घटना का कारण बता लगाएंगे। हालांकि इसमें लापरवाही दिख रही है। सुरक्षा के साधन नहीं हैं। विधायक ने मारे गए मजदूरों के परिजनों को मुआवजा देने एवं उनके शवों को घरों तक पहुंचाने का निर्देश दिया है।

मृतकों के नाम-

प्रिंस ठाकुर- मंडला, मध्यप्रदेश
मनोज सिंह- सागर, मध्यप्रदेश
करणवीर मांझी- गया, बिहार
रमेश्वर- गया, बिहार

मजदूरों को बाहर निकालने के लिए कटर और जेसीबी का इस्तेमाल किया गया

मजदूरों को बाहर निकालने के लिए कटर और जेसीबी का इस्तेमाल किया गया

साढ़े दस बजे के बाद जब ब्रायलर चालू करने के लिए मैसेज किया गया तब उसी समय कोयला लोड हॉपर तेज आवाज के साथ गिर गया। मैं अपने पांच साथियों के साथ ऊपर था मैं भी गिर गया। मुझे भी चोट आई हैं। नीचे बालू हटाने वाले कितने मजदूर थे हमें नहीं पता।

मजदूरों ने ही संभाला रेस्क्यू ऑपरेशन

हादसे के बाद कोई ऐसी टीम नही थी जिसे रेस्क्यू ऑपरेशन का अनुभव हो। झारखंड से आए मजदूर ही अपने साथियों को बचाने में जी-जान लगाकर कूद पड़े।

विनेश फोगाट बोलीं- भारतीय दल ने कोई मदद नहीं की,पेरिस ओलिंपिक में कानूनी विकल्प नहीं बताए; भाजपा ने मेरा मेडल देश का नहीं समझा

जींद (एजेंसी)।

हरियाणा की रेसलर विनेश फोगाट ने पहली बार पेरिस ओलिंपिक में 100 ग्राम बढ़े वजन से मेडल से चूकने के बारे में बात की। विनेश ने दावा किया कि मेडल को लेकर उनके पास कानूनी विकल्प था, यह उन्हें भारतीय डेलिगेशन नहीं, बल्कि एक दोस्त ने बताया था। विनेश ने यह भी कहा कि भाजपा वालों ने ओलिंपिक मेडल को मेरा मेडल समझा। मेरी कोई मदद नहीं की गई।

विनेश 6 सितंबर को ही कांग्रेस में शामिल हुई हैं। कांग्रेस ने उन्हें जींद जिले की जुलाना विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है। विनेश फोगाट भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष भाजपा नेता बृजभूषण सिंह के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों से जुड़े आंदोलन की अगुआई करने वालों में शामिल थीं।

विनेश फोगाट ने बजरंग पूनिया के

साथ 6 सितंबर को कांग्रेस जॉइन की। इससे पहले दोनों पहलवानों ने राहुल गांधी से मुलाकात की थी।

विनेश बोलीं- भाजपा वाले इगो पर बात ले गए, 4 सवालों के जवाब

सवाल-पेरिस ओलिंपिक में 100 ग्राम वजन बढ़ा हुआ मिला तो आपके पास कानूनी विकल्प थे, ये किसने बताया?

विनेश-जब हम प्रोटेस्ट में थे तो एक फ्रेंड थी जो इंटरनेशनल स्पोर्ट्स में है। उन्होंने मुझे अप्रोच किया कि ऐसी चीजें हैं।

सवाल- भारतीय प्रतिनिधिमंडल में जो लोग थे, उन्होंने कोई आपकी मदद नहीं की?

विनेश- नहीं, वह सब बाद में आए। केस मैंने किया। इनके वकील बाद में आए।

सवाल- आपको कुछ विदेशी खिलाड़ियों ने बताया कि सही तरीके से लड़ाई लड़ी जाती तो मेडल आपका होता।

विनेश- यह सच है। दुर्भाग्य देश का है। ये इतनी ईगो पर बात ले गए कि वह मेडल मेरा था। वह मेरा नहीं, देश का मेडल था। देश चाहता तो ला सकता था। वह कौन नहीं लेकर आए, सबको पता है।

सवाल- विनेश का कैसे, वह मेडल तो भारत का था?

विनेश- भाजपा वाले तो सोच रहे हैं कि विनेश का था। तभी इन्होंने मुझसे बदला लेने के लिए इतना कुछ किया।

सबसे पहले
लाइफ इंश्योरेंस

जीवन के साथ भी
जीवन के बाद भी...

एलआईसी का
जीवन उत्सव

Plan No.: 871 UIN: 512N363V01

उत्सव
मनाने का
गारंटीड तरीका

आजीवन गारंटीड रिटर्न
के साथ

ऑनलाइन भी उपलब्ध

पूर्ण आयु जीवन बीमा एवं लाभ भुगतान के विकल्प

- सीमित प्रीमियम भुगतान अवधि 5 से 16 वर्ष
- प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान गारंटीकृत वृद्धि
- नियमित आय लाभ / फ्लेक्सी आय लाभ
- न्यूनतम मूल बीमा राशि 5 लाख

एक नॉन-लिंक्ड, नॉन-पार्टिसिपेटिंग, व्यक्तिगत, बचत, पूर्ण आयु जीवन बीमा योजना

एलआईसी है तो कहीं
और क्यों जाना...

सभी नई पॉलिसियों की अधिक जानकारी के लिए आज ही संपर्क करें-

सालिक राम राजवाड़े
(बीमा अभिकर्ता)
वेदांत बीमा सेवा केंद्र
कार्यालय : प्रेस क्लब तिलक भवन के सामने, रिकाण्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा
निवास : सत्यनारायण मंदिर के पास, पोड़ी बहार कोरबा, मो.नं.-90987-52955

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

हर पल आपके साथ

वक्रतुण्ड महाकाय,
सूर्य कोटी समप्रभा।
निर्विघ्नं कुरु मे देव,
सर्व-कार्येशु सर्वदा।।

दिव्य आकाश

कोरबा का प्रथम बहुरंगीय हिन्दी/साप्ताहिक अखबार

सुविचार
नारायण चींटी के पैरों में बंधी पायल की आवाज भी सुन लेते हैं, नारायण को बुलाने के लिए चिल्लाना नहीं पड़ता।
-मृदुलकांत शास्त्री

कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 06 से 12 सितंबर 2024

14 सितंबर को जम्मू-कश्मीर के दौरे पर रहेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी।

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की तारीखें घोषित हो गई हैं और राजनीतिक पार्टियों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 सितंबर से जम्मू-कश्मीर में विभिन्न रैलियों को संबोधित करेंगे, जबकि भाजपा के स्टार प्रचारकों में पीएम मोदी के साथ-साथ अमित शाह, राजनाथ सिंह, और सीएम योगी जैसे दिग्गज भी शामिल होंगे।

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव तीन चरणों में होंगे

पहला चरण- 18 सितंबर
दूसरा चरण- 25 सितंबर
तीसरा चरण- 1 अक्टूबर

चुनाव के नतीजे 8 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे। यह चुनाव अनुच्छेद 370 के प्रावधानों के बाद घाटी में पहला विधानसभा चुनाव होगा। इसके अलावा, जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया गया है, जिसका प्रभाव इस बार के विधानसभा चुनाव पर स्पष्ट रूप से देखने को मिलेगा।

भाजपा के लिए चुनौती

2014 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 25 सीटें जीती थीं। इस बार भाजपा कांग्रेस की नई रणनीति और नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन को चुनौती मान रही है। कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस मिलकर चुनाव लड़ेंगी, जो भाजपा के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो सकती है।इस बार का चुनाव जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक परिदृश्य के लिए महत्वपूर्ण साबित होने वाला है, और इसका परिणाम विभिन्न पार्टियों के लिए रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होगा।

क्योंकि सास भी कभी बहू थी फेम विकास सेठी की 48 की उम्र में मौत

मुंबई, एजेंसी।

टीवी इंडस्ट्री से बेहद दुखद खबर सामने आ रही है। क्योंकि सास भी कभी बहू थी और कसौटी जैसे कई सीरियल में नजर आ चुके एक्टर विकास सेठी अब इस दुनिया में नहीं रहे। उनकी 48 की उम्र में मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि उनका निधन हार्ट अटैक की वजह से हुआ है। उनके निधन की खबर आते ही इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है और फैंस को भी यकीन नहीं आ रहा कि विकास अब इस दुनिया में नहीं रहे। कहा जा रहा है कि एक्टर को नींद में ही दिल का दौरा पड़ा और वो सोते तो सोते ही रह गए।

बिहार में 2 हिस्सों में बंट गई मगध एक्सप्रेस

दिल्ली से इस्लामपुर जा रही थी ट्रेन

पटना, एजेंसी।

बिहार के बक्सर में एक बड़ा रेल हादसा होने से बच गया। रविवार को बिहार के बक्सर जिले में एक गंभीर घटना घटित हुई, जब पटना जाने वाली मगध सुपरफास्ट एक्सप्रेस (20802) दो हिस्सों में बंट गई। यह घटना तुरीगंज और रघुनाथपुर रेलवे स्टेशनों के बीच सुबह करीब 11.08 बजे हुई।

मगध एक्सप्रेस, जो नई दिल्ली से इस्लामपुर की ओर जा रही थी, की कपलिंग टूट गई। इसके परिणामस्वरूप ट्रेन के डिब्बे इंजन से अलग हो गए और ट्रेन दो हिस्सों में बंट गई इसकी वजह से पीछे के कुछ डिब्बों को छोड़ कर इंजन बाकी डिब्बों के साथ काफी आगे तक चला गया । इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। मिली जानकारी के अनुसार ट्रेन में सवार सभी यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं। वहीं सूचना मिलने

पर रेलवे विभाग के अधिकारी-कर्मचारी भी मौके पर पहुंच गए हैं। इसके बाद कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और खामियों को दुरुस्त कर ट्रेन को आगे रवाना करने की कोशिश हो रही है।

ट्रेन चलने के एक मिनट के अंदर ही कपलिंग टूट गई

रेलवे के अधिकारियों के अनुसार, ट्रेन संख्या 20802 डाउन मगध एक्सप्रेस रविवार को डुमरांव रेलवे स्टेशन से सुबह 11.00 बजे 8 मिनट की देरी से रवाना हुई थी। जैसे ही ट्रेन चली, एक मिनट के अंदर ही कपलिंग टूटने के कारण हादसा हो गया। ट्रेन के इंजन और बोगियां अलग हो गईं। इंजन काफी दूर तक चला गया, जबकि बोगियों का एक हिस्सा आधा किलोमीटर तक बिना इंजन के ट्रैक पर दौड़ता रहा। इसके बाद पीछे की बोगियां रुक गईं। इस अचानक रुकने के कारण ट्रेन में बैठे यात्रियों के बीच चीख-पुकार मच गई। चूंकि पास में ही एक रेलवे क्रॉसिंग था, बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई अनहोनी नहीं हुई। रेलवे सुरक्षा बल, रेलवे पुलिस बल और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई। इन एजेंसियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर यात्रियों को शांत कराया और स्थिति को नियंत्रित किया। घटना की जानकारी मिलते ही बचाव दल मौके पर पहुंच पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) शारस्वती चंद्रा ने पुष्टि की ।

शादी के 6 साल बाद माता-पिता बने दीपिका पादुकोण-रणवीर सिंह, नन्ही परी का किया स्वागत

मुंबई, एजेंसी।

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह की तरफ से खुशखबरी सामने आ गई है। कपल ने एक प्यारी की बिटिया का स्वागत किया है। इस गुड न्यूज के सामने आने के बाद फैंस कपल को खूब बधाइयां दे रहे हैं। अभी बीते दिन (शनिवार) ही दीपिका को मुंबई के एच एन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल में एडमिट किया गया, जिसके दूसरे दिन ही उनकी तरफ से गुड न्यूज सुनने को मिल गई है। जैसे ही ये खबर सामने आई, फैंस और करीबी उन्हें बधाइयों पर बधाइयां दे रहे हैं।

बता दें, डिलीवरी के दो दिन पहले दीपिका पादुकोण को पति रणवीर सिंह के साथ सिद्धिविनायक मंदिर में स्पॉट किया गया था, जहां कपल गणेश भगवान का आशीर्वाद लेने पहुंचा था। इस दौरान दीपिका और रणवीर की जोड़ी ट्रेडिशनल

लुक में दिखी थी।

काम की बात करें तो दीपिका को आखिरी बाद फिल्म कल्कि 2898 एडी में देखा गया था। यह फिल्म काफी ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर भी इसने ताबड़तोड़ कमाई की।

रक्षा मंत्री बोले-युवा अब पिस्तौल और रिवॉल्वर के बजाय लैपटॉप रखते हैं

श्रीनगर, एजेंसी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के निवासियों से कहा कि वे आएं और भारत में शामिल हों, क्योंकि हम आपको अपना मानते हैं, जबकि पाकिस्तान आपको विदेशी मानता है। रामबन विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार राकेश सिंह ठाकुर के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने अनुच्छेद 370 को बहाल करने के चुनावी वादे को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन पर तीखा हमला बोला और कहा कि जब तक भाजपा है, यह असंभव है।

युवा अब पिस्तौल के बजाय लैपटॉप रखते हैं- राजनाथ सिंह

उन्होंने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद जम्मू-कश्मीर में समग्र सुरक्षा स्थिति में आए बड़े बदलाव का स्वागत किया और कहा कि युवा अब पिस्तौल और रिवॉल्वर के बजाय लैपटॉप और कंप्यूटर रखते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा, जम्मू-कश्मीर में अगली सरकार बनाने के लिए भाजपा का समर्थन करें ताकि हम क्षेत्र में बड़े पैमाने पर विकास कर सकें। इतना विकास होगा कि पीओके के लोग इसे देखकर कहेंगे कि हम पाकिस्तान के साथ नहीं रहना चाहते और इसके बजाय भारत चले जाएंगे।

उन्होंने कहा कि हाल ही में पड़ोसी देश के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने एक हलफनामा दायर किया है, जिसमें कहा गया है कि पीओके एक विदेशी भूमि है। उन्होंने कहा, मैं पीओके के निवासियों को बताना चाहता हूं कि पाकिस्तान आपको विदेशी मानता है लेकिन भारत के लोग आपको ऐसा नहीं मानते। हम आपको अपना मानते हैं और इसलिए आइए और हमसे जुड़िए। भाजपा के स्टार प्रचारक के रूप में रक्षा मंत्री का दौरा गृह मंत्री अमित शाह के दो दिवसीय दौरे के एक दिन बाद हो रहा है, जिसके दौरान उन्होंने पार्टी का घोषणापत्र जारी किया। वरिष्ठ पार्टी नेताओं के साथ कई बैठकें कीं और कार्यकर्ताओं की रैली को भी संबोधित किया।

रामबन निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के ठाकुर का मुकाबला एनसी के अर्जुन सिंह राजू और पार्टी के बागी सूरज सिंह परिहार से है। पिछली बार यह सीट भाजपा के नीलम कुमार लंगेह ने जीती थी, जिन्हें इस बार पार्टी ने टिकट देने से मना कर दिया है। सिंह पार्टी उम्मीदवार मोहम्मद सलीम भट के लिए वोट मांगने के लिए बगल के बनिहाल निर्वाचन क्षेत्र का भी दौरा करेंगे, जो पूर्व प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) अध्यक्ष और पूर्व मंत्री विकार रसूल वानी के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं।

जनता के आशीर्वाद से हर लड़ाई जीतेंगे, चुनाव प्रचार के दौरान बोली विनेश फोगाट

चंडीगढ़, एजेंसी।

पहलवान और कांग्रेस उम्मीदवार विनेश फोगाट ने आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए अपने प्रचार अभियान की शुरुआत करते हुए रविवार को कहा कि उन्हें लोगों के आशीर्वाद से हर लड़ाई जीतने की उम्मीद है। फोगाट (30) को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए जुलाना विधानसभा क्षेत्र से मैदान में उतारा गया है। हरियाणा में 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान पांच अक्टूबर को होगा जबकि मतगणना आठ अक्टूबर को होगी। जुलाना पहुंचने पर फोगाट का गर्मजोशी से स्वागत किया गया तथा बुजुर्गों, महिलाओं और विभिन्न खापों के सदस्यों समेत उनके समर्थकों ने उनका माला पहनाकर स्वागत किया तथा आशीर्वाद दिया।

कांग्रेस ने शुक्रवार को हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए 32 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की थी, जिसमें उनका नाम भी पार्टी उम्मीदवारों में शामिल था। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख एवं भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों के विरोध में सबसे आगे रहने वाले ओलंपियन पहलवान बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट ने शुक्रवार को कांग्रेस में शामिल होकर अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत की थी। एक कार के ऊपर खड़ी फोगाट ने लोगों का आशीर्वाद लिया। लोग उनकी एक झलक पाने के लिए उनके वाहन के चारों ओर खड़े थे। ढोल की थाप के बीच उनके समर्थकों ने 'विनेश फोगाट जिंदाबाद के नारे लगाये। बृजभूषण शरण सिंह पर एक सवाल का जवाब देते हुए फोगाट ने कहा, ''बृजभूषण देश नहीं हैं। मेरा देश मेरे साथ खड़ा है। मेरे प्रियजन मेरे साथ खड़े हैं और वे मेरे लिए मायने रखते हैं। बृजभूषण ने शनिवार को आरोप लगाया था कि कांग्रेस ने डब्ल्यूएफआई पर नियंत्रण और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमले की अपनी साजिश में पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया को मोहरे के तौर पर इस्तेमाल किया।

पाकिस्तान की बदल जाएगी किस्मत! समुद्री सीमा में मिला तेल-गैस का बड़ा भंडार

इस्लामाबाद, एजेंसी।

पाकिस्तान की समुद्री सीमा में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस का एक बड़ा भंडार मिला है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह भंडार इतना बड़ा है कि इसके दोहन से पड़ोसी देश की किस्मत बदल सकती है। डॉन न्यूज टीवी ने शुक्रवार को एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी के हवाले से बताया कि तेल और गैस भंडार की मौजूदगी की पुष्टि के लिए एक मित्र देश के सहयोग से तीन साल तक सर्वेक्षण किया गया था। भौगोलिक सर्वेक्षण से पाकिस्तान को भंडार के स्थान की पहचान करने में मदद मिली। संबंधित विभागों ने सरकार को पाकिस्तानी समुद्री सीमा में तेल संसाधनों के बारे में जानकारी दी है। अधिकारी ने कहा कि इन संसाधनों से लाभ उठाने के लिए बोली और अन्वेषण प्रस्तावों का अध्ययन किया जा

रहा है, जिसका अर्थ है कि निकट भविष्य में अन्वेषण कार्य शुरू किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हालांकि कुओं की खुदाई और वास्तव में तेल निकालने के काम में कई साल लग सकते हैं।

अधिकारी ने कहा कि इस संबंध में पहल करने और जल्दी से काम पूरा करने से देश की आर्थिक किस्मत बदलने में मदद मिल सकती है। कुछ अनुमान बताते हैं कि यह खोज दुनिया में चौथा सबसे बड़ा तेल और गैस भंडार है।

राज्यसभा सांसद जवाहर सरकार ने पद से दिया इस्तीफा, कहा- मुझे लगा आप पुरानी ममता बनर्जी की तरह एक्शन लेंगी

कोलकाता, एजेंसी।

कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में एक लेडी डॉक्टर के साथ हुई दरिंदगी के विरोध में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राज्यसभा सांसद जवाहर सरकार ने रविवार को इस्तीफा दे दिया। उन्होंने पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी को एक पत्र लिखकर अपना इस्तीफा देने का निर्णय लिया। जवाहर सरकार ने पत्र में लिखा कि उन्होंने उम्मीद की थी कि ममता बनर्जी आरजी कर अस्पताल में हुई घटना के संदर्भ में तुरंत ठोस कदम उठाएंगी। लेकिन जब कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया और कार्रवाई भी बहुत देर से की गई, तो उन्होंने अपना इस्तीफा देने का निर्णय लिया।

ममता बनर्जी को लिखा पत्र

जवाहर सरकार ने ममता बनर्जी को भेजे पत्र में लिखा कि उन्होंने उम्मीद की थी कि ममता बनर्जी आरजी कर अस्पताल में हुई घटना के संदर्भ में तुरंत ठोस कदम उठाएंगी और पुरानी ममता बनर्जी की तरह एक्शन लेंगी। लेकिन जब कोई ठोस कार्रवाई की गई, तो वह भी बहुत देर से की गई। उन्होंने आशा जताई कि राज्य में जल्द शांति बहाल होनी चाहिए और दोषियों को सख्त सजा मिलनी चाहिए।

इस्तीफे पर भाजपा की प्रतिक्रिया

टीएमसी के राज्यसभा सांसद के इस्तीफा देने के बाद बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने सोशल मीडिया पर आरोप लगाया है। टीएमसी के राज्यसभा सांसद जवाहर सरकार ने टीएमसी द्वारा संचालित पश्चिम बंगाल सरकार में भ्रष्टाचार और आरजी कर मेडिकल कॉलेज में दरिंदगी मामले को सही से न संभाल पाने के कारण इस्तीफा दिया है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी को सबक लेने और पद छोड़ने का समय आ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी और कोलकाता पुलिस आयुक्त ने मामले से संबंधित सभी सबूतों को नष्ट कर दिया है।

कच्छ में रहस्यमयी बुखार से 12 लोगों की मौत

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात के कच्छ जिले के लखपत तालुका में रहस्यमयी बीमारी के कारण 12 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 12 वर्ष से कम उम्र के चार बच्चे भी शामिल हैं। अधिकारियों ने रविवार को कहा कि मौत का कारण प्राथमिक रूप से न्यूमोनाइटिस प्रतीत होता है। कच्छ के कलेक्टर अमित अरोड़ा ने कहा कि पाकिस्तान की सीमा के निकट स्थित इस तालुका में चिकित्सा सेवाएं बढ़ा दी गई हैं। यहां 22 निगरानी दल और डॉक्टर तैनात किए गए हैं तथा एच1एन1, स्वाइन फ्लू, क्रीमियन-कांगो बुखार, मलेरिया और डेंगू के नमूने लिए जा रहे हैं।

रिलीज़ होगी कंगना की इमरजेंसी! लेकिन करना होगा ये बड़ा बदलाव

मुंबई, एजेंसी।

एक्ट्रेस कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी विवादों में घिरी हुई है। इसके चलते फिल्म की रिलीज डेट भी टाल दी गई थी। 6 सितंबर को रिलीज होने वाली इस फिल्म के खिलाफ सेंसर बोर्ड पहले ही कार्रवाई कर चुका है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (CBFC) द्वारा फिल्म U/A सर्टिफिकेट दिया गया है। इसके साथ ही फिल्म में 3 कट और 10 बदलाव करने के लिए कहा है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने फिल्म इमरजेंसी के निर्माताओं से विवादित ऐतिहासिक बयानों का स्रोत मांगा है। इसमें पूर्व राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन द्वारा भारतीय महिलाओं के प्रति अपमानजनक टिप्पणियां और विंस्टन चर्चिल की भारतीय खरगोशों की तरह बच्चे पैदा करते हैं टिप्पणी शामिल हैं। निर्माताओं को इन दोनों विवादित बयानों का स्रोत बताने के लिए कहा गया है।बता दें कि निर्माताओं ने 8 जुलाई को फिल्म को पास करने के लिए बोर्ड को सौंपा था। 8 अगस्त को फिल्म में 3 कट सहित 10 बदलाव करने के सुझाव भेजे गए थे। CBFC ने मणिकर्णिका फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड को एक पत्र लिखा था। इसके साथ ही यू/ए सर्टिफिकेट के लिए 10 कट/संशोधन की सूची भेजी थी।

र्‍यूमीकैप (RHEUMICAP)

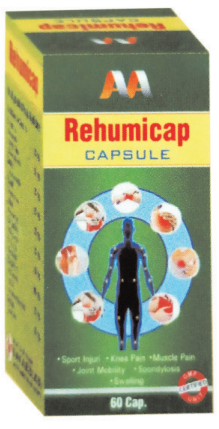

र्‍यूमीकैप वात सम्बन्धित रोग जैसे शूल, आमवात, सन्धिवात, कटिग्रह, गृध्रसी में अचूक औषधि है, र्‍यूमीकैप कुचला, इन्द्रायान, मूल गुडूची, रसौल, लहसुन, कुलिंजन बीज, शु. गुग्गुल, रास्नापत्र, इन्द्रजौ और अमलताश आदि औषधियों का मिश्रण है। इस औषधि का प्रधान कार्य वातवाहिनी नाड़ियों पर होता है। जब वायु कुपित हो भयंकर वेदना उत्पन्न करती है तब यह कैप्सूल विशेष प्रभावकारी होता है।

Bharat Ayurvedic Works, Mob.: 9897489900

सीएसईबी चौक
स्टेडियम रोड
ट्रांसपोर्ट नगर चौक
मुड़ापार रोड
पॉवर हाउस रोड

आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श

गाठिया, जोड़ों का दर्द, साईटिका, श्वास, दमा, खांसी पुराना नजला, गैस, खाज, खुजली, शुगर, बवासीर, पथरी, लिकोरियो मर्दो व औरतों के गुप्त रोगों के निराश रोगी ईलाज के लिए मिलें।

डॉ. वाय. भारद्वाज
(एम.डी.) (एन.एम.)

शराब छुड़ाने की हर्बल दवा उपलब्ध

पतंजलि · श्रीश्री AYURVEDA · बैद्यनाथ · Dabur · ZANDU

सभी कंपनियों के आयुर्वेदिक दवाईयों के थोक एवं चिल्हर विक्रेता

एक कदम आयुर्वेद की ओर ... स्वस्थ रहो अभियान...

शिव हर्बल आयुर्वेदिक एण्ड कॉस्मेटिक

शॉप नं. 07 अल्का काम्प्लेक्स, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.ग.) मो.: 9302358945

सुविचार

सोच अच्छी होनी चाहिए, क्योंकि नजर का ईलाज तो है, लेकिन नजरिये की नहीं...।

चिंतन

नारी शक्ति के लिए सुरक्षित माहौल तैयार करना ही होगा

आज सभी अखबारों, मीडिया चैनलों में नारी शक्ति को लेकर जो खबरें प्रसारित की जा रही हैं, उन्हें देखकर, सुनकर आम व्यक्ति भी इस बात का चिंतन करने में लग जाता है, कि आखिर हमारे समाज को क्या हो गया है। कभी नारी शक्ति के सम्मान का प्रतीक समझा जाने वाला भारत आज किस ओर जा रहा है। राज्य के शासकों को अपनी कुर्सी प्यारी है और नारी शक्ति के सम्मान का ढोंग दिखाने वाले ऐसे राजनेता कुर्सी के लिए नारी के सम्मान को आघात पहुंचाने वाले नराधमों पर मेहरबान हो रहे हैं। ऐसे नराधमों पर कड़ी कार्रवाई करने के बजाय इस बात पर लगे रहते हैं कि उन्हें बचाया कैसे जाए। आज पश्चिम बंगाल में जो परिस्थितियां निर्मित हुई हैं, वह सिर्फ पश्चिम बंगाल को ही नहीं बल्कि पूरे देश को शर्मशार करने वाला है। निर्भया कांड से भी बदतर घटना पर सुप्रीम कोर्ट ने भी चिंता जाहिर की, लेकिन यहां शासक नारी होने के बाद भी नारी शक्ति के लिए उनके पास न्याय की शक्ति नहीं है और कुर्सी बचाने के लिए मनगढ़ंत कहानी बनाकर नारी शक्ति के सेवकों पर ही ऊंगली उठाती नजर आ रही हैं। पश्चिम बंगाल सरकार का यह कैसा न्याय? नारी होने के बाद भी नराधमों को बचाने की उनकी मुहिम को आखिर देश कैसे समर्थन देगा। आज इस बात का चिंतन होना चाहिए कि नराधमों को सख्त सजा मिले और समाज को संस्कार के जरिये सत्व बनाने की दिशा में बेहतर और बड़ा जनआंदोलन और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हों।

संपादक

08 सितंबर को 91 साल की हुईं आशा भोसले

आशा भोसले ने हर शैली के गीतों में अपनी मधुर आवाज से सजाने का काम किया है। आशा की आवाज में ऐसी मिठास है कि वह आज भी लाखों लोगों के दिलों पर राज कर रही हैं। आज 08 सितंबर को वह 91वां जन्मदिन मनाया। भारतीय संगीत जगत की महान गायिका आशा भोसले आज यानी की 08 सितंबर को अपना 91वां जन्मदिन मना रही हैं। महाराष्ट्र के सांगली में 08 सितंबर 1933 में जन्म हुआ था। भोसले का संगीत करियर विविधता से भरा है। आशा भोसले ने हर शैली के गीतों में अपनी मधुर आवाज से सजाने का काम किया है। आशा की आवाज में ऐसी मिठास है कि वह आज भी लाखों लोगों के दिलों पर राज कर रही हैं। उनको बचपन से परिवार में संगीत का माहौल मिला था।

परिवार–आशा भोसले के पिता का नाम दीनानाथ मंगेशकर था। वह एक फेमस थिएटर कलाकार और गायक थे। जब आशा भोसले छोटी थीं, तभी उनके पिता का निधन हो गया था। आशा ने छोटी उम्र से अपने करियर की शुरूआत कर दी थी। आशा भोसले ने हर तरह के गीतों में खुद को ढाला था, फिर वह चाहे रोमांटिक, कैबरे सॉन्ग, गजल या फिर क्लासिकल संगीत हो। उन्होंने हर शैली में अपनी आवाज की अमिट छाप छोड़ी।

गाए कई सदाबहार गीत–बता दें कि 50–90 के दशक के बीच आशा भोसले ने आरडी बर्मन, खय्याम, ओपी नैयर और बप्पी लहरी जैसे संगीतकारों के साथ काम किया और कई सदाबहार गाने गाए। उनके द्वारा गाए गानों की फेहरिस्त काफी लंबी है। आशा के कुछ यादगार गानों में दम मारो दम, मेरा कुछ सामान, पिया तू अब तो आ जा, चुरा लिया है तुमने और ये मेरा दिल शामिल हैं।

सम्मान–आशा भोसले ने संगीत के क्षेत्र में योगदान देने के लिए कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त किए। उनको कई बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और फिल्मफेयर अवॉर्ड्स से सम्मानित किया गया था। साल 2000 में उनको दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। यह भारतीय सिनेमा का सर्वोच्च सम्मान है। इसके अलावा उनको पद्म विभूषण से भी सम्मानित किया गया। साल 2011 में आशा का नाम सबसे ज्यादा गीत गाने के मामले में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया था।

शादी–पहली शादी टूटने के बाद आशा भोसले ने आरडी बर्मन से शादी की थी। आरडी बर्मन भी आशा की तरह संगीत जगत के सबसे प्रभावशाली संगीतकारों में से एक थे। आरडी बर्मन और आशा भोसले की जोड़ी ने एक से बढ़कर एक सुपरहिट गाने गाए थे। आशा भोसले ने न सिर्फ हिंदी, बल्कि बंगाली, मराठी, तमिल, मलयालम और अंग्रेजी समेत कई भाषाओं में गाने गाए हैं।

छत्तीसगढ़ में बहुत जल्द शुरू होगा लिवर और किडनी ट्रांसप्लांट

अंबेडकर अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए नई वर्चुअल मशीन

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुसार छत्तीसगढ़ बहुत जल्द स्वास्थ्य के मामलों में वैश्विक सुविधाएं देने वाला राज्य बनने वाला है। इनमें ऑर्गन ट्रांसप्लांट और बायपास हार्ट सर्जरी जैसी सुविधाएं शामिल होंगी।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के अनुसार राज्यभर में सुपर स्पेशियलिटी सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए अब राजधानी के डीकेएस अस्पताल में लिवर और किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा जल्द शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि डीकेएस में पहले ही अत्याधुनिक आईसीयू तैयार किया जा चुका है और लिवर तथा किडनी ट्रांसप्लांट के उपकरणों के लिए 6 करोड़ रुपए भी स्वीकृत किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि यह सुविधा राजधानी के मरीजों के साथ-साथ आस-पास के राज्यों से आने वाले मरीजों को भी लाभान्वित करेगी। इसके अलावा, उन्होंने जानकारी दी कि प्रदेश के 6 जिलों में अत्याधुनिक मॉडल

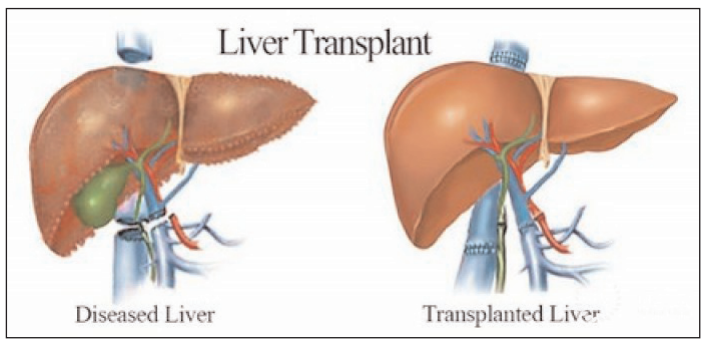

अस्पताल बनाए जाएंगे, जिनमें सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं उपलब्ध होंगी।

अंबेडकर अस्पताल में खुल सकता है आईवीएफ सेंटर

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल के अनुसार अंबेडकर अस्पताल में आईवीएफ सेंटर भी स्थापित करने पर विचार किया जा रहा है। इस संबंध में रुकी हुई डीपीआर का निर्माण शीघ्र ही शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अंबेडकर अस्पताल में आधुनिक पोस्टमार्टम हाउस भी बनाया जाएगा, जिसमें नए उपकरणों के साथ-साथ विशेषज्ञ स्टाफ भी तैनात किया जाएगा।

अंबेडकर अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए नई वर्चुअल मशीन

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल के अनुसार अंबेडकर अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए नई वर्चुअल मशीन स्थापित की जा रही है। यह मशीन देश में सबसे आधुनिक तकनीक से युक्त होगी और इससे पोस्टमार्टम के कार्यों में तेजी आएगी। इसके साथ ही यह सुविधा राजधानी के लोगों के लिए अत्यधिक सहायक सिद्ध होगी।

अस्पतालों में बढ़ेंगी नई सेवाएं

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल के अनुसार सरकारी अस्पतालों में नई सेवाओं की संख्या बढ़ाई जाएगी। इसमें दूरस्थ परामर्श, अत्याधुनिक उपकरणों का उपयोग एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। इससे राज्य के सभी नागरिकों को अत्याधुनिक एवं उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाएं प्राप्त होंगी। जसं.

अपने उपासकों की सारी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं भगवान गणेश

भगवान श्री गणेशजी की पूजा किसी भी शुभ कार्य के करने के पहले की जाती है। मोदक इनका सर्विप्रय भोग है और चूहा इनका प्रिय वाहन है। इनकी शादी ऋद्धि तथा सिद्धि नामक के साथ हुई। इस पर्व से जुड़ी एक मान्यता यह भी है कि इस दिन के रात्रि में चंद्रमा का दर्शन करने से मिथ्या कलंक लग जाता है।

गणेश चतुर्थी हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। माना जाता है कि इस दिन विघ्नहर्ता भगवान श्रीगणेश का जन्म हुआ था। दस दिवसीय यह त्योहार देश भर में धूमधाम से मनाया जाता है। विशेषकर महाराष्ट्र में इस पर्व को लेकर उत्साह चरम पर होता है और दस दिनों तक पूरा राज्य गणेशमय हो जाता है। शिवपुराण में कहा गया है कि भाद्रपद मास के कृष्णपक्ष की चतुर्थी मंगलमूर्ति गणेश की अवतरण तिथि है, जबकि गणेशपुराण के अनुसार गणेशावतार भाद्रपद शुक्ल की चतुर्थी को हुआ था।

भगवान गणेश का स्वरूप अत्यन्त ही मनोहर एवं मंगलदायक है। वे अपने उपासकों पर शीघ्र प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। उनके अनन्त नामों में सुमुख, एकदन्त, कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूम्रकेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन– ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह–नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विघ्न नहीं होता है। देवसमाज में गणेशजी को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। भगवान श्री गणेशजी की पूजा किसी भी शुभ कार्य के करने के पहले की जाती है। मोदक इनका सर्विप्रय भोग है और चूहा इनका प्रिय वाहन है। इनकी शादी ऋद्धि तथा सिद्धि नामक के साथ हुई। इस पर्व से जुड़ी एक मान्यता यह भी है कि इस दिन के रात्रि में चंद्रमा का दर्शन करने से मिथ्या कलंक लग जाता है।

व्रत से होती है शुभ फलों की प्राप्ति

गणेश चतुर्थी के दिन प्रात:काल स्नान आदि के बाद सोने, तांबे, मिट्टी आदि की गणेशजी की प्रतिमा स्थापित की जाती है और उनका आह्वान किया जाता है। उनका तिलक कर पान, सुपारी, नारियल, लड्डू तथा मेवे चढ़ाए जाते हैं। उन्हें कम से कम 21 लड्डुओं का भोग लगाने की परम्परा है। इनमें से पांच लड्डुओं को गणेशजी के पास ही रहने देना चाहिए बाकी लड्डुओं का प्रसाद बांट देना चाहिए। सुबह और शाम को गणेशजी की आरती की जानी चाहिए और पूजन के बाद नीची नजर से चंद्रमा को अर्घ्य देकर ब्राम्हणों को भोजन कराकर यथाशक्ति दक्षिणा देनी चाहिए।

कथा–

एक बार भगवान शंकर माता पार्वती के साथ नर्मदा नदी के तट पर गये और वहां पार्वती जी के साथ चौपड़ खेलने की इच्छा जताई। हार जीत का निर्णय कौन करे इसके लिए पार्वती जी ने घास के तिनकों का एक पुतला बनाकर उसे कहा कि बेटा हार जीत का निर्णय तुम्हीं करना। संयोग से तीन बार लगातार पार्वती ही जीतीं लेकिन जब निर्णय सुनाने की बारी आई तो बालक ने भगवान शंकर को विजयी बताया। इससे क्रुद्ध होकर माता पार्वती ने उसे एक पैर से लंगड़ा होने और कीचड़ में रहने का शाप दे दिया। बालक ने जब अपनी अज्ञानता के लिए माफी मांगी तो माता पार्वती को उस पर दया आ गई और उन्होंने कहा कि ठीक है यहां नाग कन्याएं गणेश पूजन के लिए आएंगी तो उनके उपदेश से तुम गणेश व्रत करके मुझे प्राप्त करोगे। इसके बाद वह भगवान के साथ कैलाश पर्वत पर चली गईं। लगभग एक वर्ष बाद श्रावण माह में नाग कन्याएं गणेश पूजन के लिए वहां आईं। नाग कन्याओं ने गणेश व्रत करने की विधि उस बालक को भी बताई तो उसने भी 12 दिनों तक गणेशजी का व्रत किया। गणेशजी उस बालक के व्रत से प्रसन्न हुए और उसे मनवांछित फल मांगने के लिए कहा।

बालक ने कहा कि भगवान मेरे पैरों में इतनी शक्ति दे दो कि मैं खुद से चल कर कैलाश पर्वत पर अपने माता–पिता के पास जा सकूं। भगवान गणेशजी ने बालक की इच्छा पूरी कर दी। जिससे बालक कैलाश पर्वत पर भगवान शंकर के पास जा पहुंचा। जब भगवान ने उससे पूछा कि वह यहां तक कैसे आया तो उसने गणेश व्रत की महिमा बता डाली। नर्मदा नदी के तट पर हुई घटना के बाद से माता पार्वती भी भगवान शंकर से अप्रसन्न चल रही थीं इसलिए भगवान शंकर ने भी गणेश व्रत किया तो माता पार्वती भागी–भागी उनके पास आईं और पूछा कि आपने ऐसा क्या किया कि मैं आपके पास भागी–भागी चली आई तो उन्होंने गणेश व्रत के बारे में बताया। इसके बाद माता पार्वती ने गणेश व्रत किया जिससे उनके पुत्र कार्तिकेय उनके पास आ गये। उन्होंने भी अपनी मां के मुख से इस व्रत के माहात्म्य के बारे में सुनकर यह व्रत किया और इस व्रत के बारे में विश्वामित्र जी को बताया। इस प्रकार इस व्रत के माध्यम से गणेशजी ने जैसे इन सभी की मनोकामना पूरी की उसी प्रकार वह इस व्रत को करने वाले हर श्रद्धालु की मनोकामना पूरी करते हैं।

इस पर्व से जुड़ी एक और कथा है जो इस प्रकार है–

एक बार भगवान शंकर स्नान करने के लिये भोगवती नामक स्थान पर गये। उनके चले जाने के पश्चात माता पार्वती ने अपने मैल से एक पुतला बनाया जिसका नाम उन्होंने गणेश रखा। माता ने गणेश को द्वार पर बैठा दिया और कहा कि जब तक मै स्नान करूं किसी भी पुरुष को अन्दर मत आने देना। कुछ समय बाद जब भगवान शंकर वापस आये तो गणेशजी ने उन्हें द्वार पर ही रोक दिया, जिससे क्रुद्ध होकर भगवान शंकर ने उनका सिर धड़ से अलग कर दिया और अन्दर चले गये। पार्वती जी ने समझा कि भोजन में विलम्ब होने से भगवान शंकरजी नाराज हैं सो उन्होंने तत्काल दो थालियों में भोजन परोस कर शंकरजी को भोजन के लिये बुलाया। शंकरजी ने दो थालियों को देखकर पूछा कि यह दूसरा थाल किसके लिये है, तो पार्वतीजी ने जवाब दिया कि यह दूसरा था पुत्र गणेश के लिये है जो बाहर पहरा दे रहा है। यह सुनकर भगवान शंकर बोले कि मैंने तो उसका सिर धड़ से अलग कर दिया है। यह सुनकर पार्वती जी को बहुत दुख हुआ और वह भगवान महादेव से अपने प्रिय पुत्र गणेश को जीवित करने की प्रार्थना करने लगीं। तब शंकरजी ने हाथी के बच्चे का सिर काटकर बालक के धड़ से जोड़ दिया जिससे बालक गणेश जीवित हो उठा और माता पार्वती बहुत हर्षित हुईं। उन्होंने पति और पुत्र को भोजन कराकर स्वयं भोजन किया। चूंकि यह घटना भाद्रपद शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को हुयी थी इसलिये इस तिथि का नाम गणेश चतुर्थी रखा गया।

ऊंचाई पर चढ़ने के लिए झुकना पड़ता है

डॉ गजेन्द्र तिवारी
शिक्षाविद
पाली जिला कोरबा
मो.: 94241-50282

आज मनुष्य छोटा हो या बड़ा, सब अहम में जी रहे हैं। आज हम की आवश्यकता है, न कि अहम की। जिस तरह से समाज में कुरूतियां फैल रही हैं और मनुष्य अहम को लेकर आसमान छूने की तैयारी कर रहा है। यदि अहम को लेकर आसमां जाने की तैयारी कर रहे हो, तो यह कदापि सफल नहीं होने वाला। यदि ऊंचाई को छूना है, तो झुकना ही पड़ेगा।

आज इतिहास खोलकर देख लें, तो हमारे महापुरूषों ने जो ऊंचाईयां हासिल की हैं, उसमें उनकी विनम्रता का जिक्र भी आता है। पहाड़ चढ़ने के लिए झुकना ही पड़ता है और जिसे जमीन में आना है, उसे सीना तानना पड़ता है। इस प्रहसन से समझ जाएं कि सीना तानकर अहम में चलने वाला इंसान नीचे जमीन पर गिर ही जाएगा, क्योंकि पहाड़ से उतरते समय यह पहाड़ हमें झुकाना नहीं सिखाता, जबकि पहाड़ (ऊंचाई) चढ़ने के लिए अनायास ही हम झुक जाते हैं। पहाड़ सी ऊंचाई पाने के लिए झुकना ही पड़ेगा, इसलिए यदि ऊंचे पद, प्रतिष्ठा, पहचान बनाना चाहते हैं तो अपने धन, अपने गुमान का प्रदर्शन न करें और ना ही लोगों के सामने अहम का प्रदर्शन करें। यदि आप सौम्य और विनम्र बनेंगे तो लोगों को अलग से आप पहचाने जाएंगे, कि यह शिक्षित है और धनवान होने के बाद भी उनमें सादगी झलकती है।

भागवत कथा में आचार्यश्री मृदुलकांत शास्त्री का प्रवचन सुनने का मौका मिला। उन्होंने अपने प्रवचन में एक अच्छी बात कही, जो मर्म स्पर्शी है। आचार्य श्री ने कहा कि यदि हम बाहरी आवरण को चमकायेंगे, तो यह सिर्फ आपके रंग को प्रदर्शित करेगा, लेकिन यदि व्यक्तित्व को चमकाना है, तो आत्मा और मन को पुष्ट करना होगा। आत्मा और मन को पुष्ट करने के लिए आपको समाज के हित में, स्वयं के हित में अच्छे कार्य करने होंगे। आपके अच्छे कर्म ही आपको पहचान दिलायेगा। उन्होंने कहा कि बड़ा होने के लिए धन की आवश्यकता नहीं है, बल्कि उज्ज्वल और सर्वोत्कृष्ट व्यक्तित्व ही आपकी पहचान बनेगा। इसके लिए छोटा–बड़ा का भेद भूलना होगा और सबके साथ सम व्यवहार की आपके बड़प्पन होने की पहचान बनेगा। उन्होंने श्याम रंग कृष्ण का उदाहरण दिया और कहा कि लोग उसे काले रंग का कहते हैं, लेकिन पूरी दुनिया में कृष्ण जैसा सुंदर कोई नहीं। उनके कहने का तात्पर्य यह है कि ऊंचाई पाने के लिए कृष्ण जैसा बनना होगा। कृष्ण सभी से सम व्यवहार करते थे, चाहे सुदामा हो या उस समय के राजा।

हमारे महापुरूषों ने इस ऊंचाई को पाने के लिए कभी अहम को आड़े आने नहीं दिया और देश के लिए काम करते रहे।

हम भी अपने अहम को आगे नहीं लाएं और लोगों के साथ सद्व्यवहार करें, छोटे–बड़े का भेद भूलकर ऐसा काम करें जो समाज के हित में हो, राष्ट्र के लिए हितकारी बने।

पेरिस ओलंपिक : गोल्ड मेडल जीतने अवनी लेखरा का हुआ ऐसा स्वागत, फीका पड़ गया विनेश फोगाट का चार्म

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पेरिस पैरालंपिक गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने के बाद शूटर खिलाड़ी अवनी लेखरा भारत पहुंच चुकी हैं। अवनी ने शूटिंग में गोल्ड जीतक इतिहास रच दिया। दिल्ली एयरपोर्ट पर अवनी का भव्य स्वागत हुआ। लोग उन्हें बधाई देने के लिए दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंचे। इस दौरान अवनी ने कहा कि यह एक अच्छा सफर रहा है और हमने इस बार कई स्वर्ण पदक जीते हैं। अवनी के इस स्वागत के बाद विनेश फोगाट भी पीछे छूट गईं। बता दें कि विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया कल यानी शुक्रवार को कांग्रेस में शामिल हो गए।

आपको बता दें कि अवनि को यह जीत इतनी आसानी से नहीं मिली है। इस मुकाम पर पहुंचने के लिए उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा है। महज 12 साल की उम्र में अवनि लेखरा की जिंदगी उस समय बदल गई जब एक दुर्घटना के चलते उन्हें पैरालिसिस का शिकार होना पड़ा और चलने के लिए व्हीलचेयर का सहारा लेना पड़ गया। लेकिन अवनि ने हार नहीं मानी और आगे बढ़ने को ठान लिया। दुर्घटना के महज तीन साल बाद ही अवनी ने शूटिंग को अपनी जिंदगी बनाया और महज पांच साल के भीतर ही अवनी ने गोल्डन गर्ल का तमगा हासिल कर लिया। अब अपने लगातार दूसरे पैरालंपिक में उन्होंने स्वर्ण जीतकर इतिहास तो रचा ही, साथ ही भारत की सबसे कामयाब शूटर भी बन गईं। ओलंपिक हो या पैरालंपिक भारत की किसी महिला एथलीट ने दो स्वर्ण नहीं जीते हैं।

अब तक 27 पदक भारत की झोली में

पेरिस पैरालंपिक 2024 में भारत के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। भारत अब तक 6 गोल्ड के साथ 27 पदक अपने नाम कर चुके हैं। पदक तालिका

में भारत का 18वां स्थान है। भारत ने 6 गोल्ड, 9 सिल्वर और 12 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। उल्लेखनीय है कि इस बार ओलंपिक गेम में भारत का प्रदर्शन बेहद साधारण रहा था। पेरिस ओलंपिक में 1 सिल्वर के साथ 6 मेडल ही भारत की झोली में आ पाए। तुलनात्मक दृष्टि से पैरालंपिक गेम्स में भारत के खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा है।

वहीं, पेरिस ओलंपिक 2024 की सुर्खियां बनीं विनेश फोगाट 6 सितंबर को कांग्रेस में शामिल हो गईं और देर रात तक उन्हें कांग्रेस ने जुलाना से विधानसभा का उम्मीदवार बना दिया। इसके बाद सोशल मीडिया पर लोग विनेश की आलोचना कर रहे हैं। विनेश पिछले साल जंतर-मंतर पर बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ महिला पहलवानों के यौनशोषण को लेकर आंदोलन का मुख्य चेहरी थीं। विनेश के कांग्रेस में शामिल होने के बाद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि यह कांग्रेस और भूपेंद्र सिंह हुड्डा और दीपेंद्र हुड्डा की उनके खिलाफ रची गई साजिश थी।

फिल्म इंडस्ट्री में आने से पहले मां के प्ले स्कूल में टीचर थीं कियारा आडवाणी

मुम्बई (एजेंसी)।

बॉलीवुड तड़का टीम. कियारा आडवाणी ने भारतीय सिनेमा में अपनी पहचान बना ली है, अपने शानदार प्रदर्शन और करिश्माई ऑन-स्क्रीन उपस्थिति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। इस साल कियारा के इंडस्ट्री में दस शानदार साल पूरे हुए हैं, और अपने बेहतरीन टैलेंट के दम पर उन्होंने अपने लिए एक अलग जगह बनाई है। उनके कुछ बेहतरीन प्रदर्शन ने उन्हें इंडस्ट्री की सबसे पसंदीदा महिला लीड में से एक बना दिया है।

सिनेमा में अपनी प्रसिद्धि से पहले, कियारा आडवाणी ने अपनी देखभाल और पोषण करने की स्वाभाविक क्षमता को अपनी मां के प्लेस्कूल में शिक्षक के रूप में निखारा, जहाँ उन्होंने बच्चों को नर्सरी राइम्स और बेसिक कॉन्सेप्ट्स सिखाए। इस शुरुआती अनुभव ने उनकी सहानुभूति और समर्पण को उजागर किया, जो उनके मनोरंजन उद्योग में भविष्य की सफलता की नींव बना।

कियारा हमेशा से बच्चों की पसंदीदा रही हैं, और उनके साथ गहरा जुड़ाव रखने की क्षमता उनके पोषण और देखभाल करने वाले स्वभाव का परिणाम है, जो उनके शिक्षक के रूप में बिताए समय से विकसित हुआ। यह गुण उनकी एक्टिंग में भी झलकता है। उनकी फिल्मों, जैसे भूल भुलैया 2 और गुड न्यूज़ में निभाए गए किरदारों ने बच्चों के साथ खास संबंध बनाया, जिससे वह युवा दर्शकों के बीच भी बेहद लोकप्रिय हो गईं।

इस बीच, कियारा आडवाणी को पैन-इंडियन फिल्म गेम चेंजर में देखा जाएगा, जिसमें उनके साथ राम चरण और निर्देशक शंकर हैं। इसके अलावा, उनके पास कुछ बड़ी फिल्में भी हैं, जिनमें ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के साथ वॉर 2 और रणवीर सिंह के साथ डॉन 3 शामिल हैं।

Paris Paralympics: ईरान का जैवलिन थ्रोअर अयोग्य घोषित, गोल्ड में बदला नवदीप सिंह का सिल्वर मेडल

पेरिस (एजेंसी)।

पेरिस पैरालंपिक में शनिवार को पुरुषों की भाला फेंक एफ41 फाइनल में नाटकीय प्रदर्शन के बीच ईरान के बेत सयाह सादेघ को अयोग्य घोषित किए जाने के बाद भारत के नवदीप सिंह के रजत पदक को स्वर्ण में बदल दिया गया। यह पुरुषों की भाला एफ41 श्रेणी में भारत का पहला स्वर्ण पदक है। नवदीप का पहला प्रयास फाउल रहा लेकिन उन्होंने दूसरे प्रयास में 46.39 मीटर के थ्रो के साथ शानदार वापसी की।

तीन साल पहले टोक्यो पैरालंपिक में चौथे स्थान पर रहने वाले नवदीप के तीसरे थ्रो ने स्टेडियम को रोमांचित कर दिया। उन्होंने 47.32 मीटर के विशाल थ्रो के साथ पैरालंपिक रिकॉर्ड को तोड़ दिया और बढ़त बना ली। सादेघ ने हालांकि अपने पांचवें प्रयास में भारतीय खिलाड़ी से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 47.64 मीटर का रिकॉर्ड थ्रो किया। फाइनल की समाप्ति के कुछ समय बाद ईरान के खिलाड़ी को अयोग्य घोषित कर दिया गया, जिसके कारण नवदीप ने शीर्ष स्थान हासिल किया।

सयाह को बार-बार आपत्तिजनक झंडा प्रदर्शित करने के लिए अयोग्य घोषित किया गया। वह अपनी हरकतों से स्वर्ण पदक गवां बैठे। अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति के नियम एथलीटों को आयोजन में कोई भी राजनीतिक संकेत देने से रोकते हैं और सयाह को गैर-खेल/अनुचित आचरण के लिए अंतिम परिणामों से बाहर कर दिया गया था। इस स्पर्धा का रजत विश्व रिकॉर्ड धारक चीन के सन पेंगजियांग (44.72) के नाम रहा जबकि इराक के नुखाइलावी वाइल्डन (40.46) ने कांस्य पदक जीता। एफ41 श्रेणी छोटे कद के एथलीटों के लिए है।

नवदीप ने इस स्वर्ण पदक के साथ तोक्यो खेलों में चौथे स्थान पर रहने की कसक को दूर की। आयकर विभाग में निरीक्षक के पद पर तैनात नवदीप ने 2017 में खेल में आने के बाद से राष्ट्रीय स्तर पर पांच बार पदक जीते हैं। उन्होंने इस साल की शुरुआत में पैरा-विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था।

बॉलिवुड में गणेश उत्सव

नन्ही आयत के साथ मामा सलमान खान ने की बप्पा की आरती, यूलिया भी पूजा में हुईं शामिल

मुम्बई (एजेंसी)।

देशभर में गणेश चतुर्थी की धूम है। चारों ओर 'गणपति बप्पा मोरया' की गूंज सुनाई दे रही है। 7 सितंबर सुबह से ही बॉलीवुड के गलियों में भी काफी चहल-पहल देखी गई है। बॉलीवुड के कई सितारों के घर भी गणपति बप्पा का आगमन हुआ है, जिसके दर्शन के लिए लोगों का आना-जाना लगा हुआ है। इन सितारों में मनीष मल्होत्रा, शिल्पा शेट्टी, शाहरुख खान और सलमान खान की बहन अर्पिता जैसे सेलिब्रिटी का नाम शामिल है। हर साल की तरह इस साल भी अर्पिता धूम-धाम से गणपति बप्पा को घर लाई। बप्पा के वेलकम के लिए पूरा खान परिवार अर्पिता के मुंबई वाले घर पर पहुंचा। आरती में सलमान खान भी शामिल हुए थे, जो कि अपनी भतीजी आयत शर्मा के साथ आरती करते देखे गए। आरती के दौरान का ये क्लिप सोशल मीडिया पर सर्कुलेट हो रहा है। शाम की आरती में यूलिया वंतूर भी शामिल हुई थी, जो कि एथनिक ड्रेस में दिखी। आयत के साथ आरती करने के बाद भाईजान ने पास खड़े बाकी बच्चों को भी अपने पास बुलाया और उनके साथ भी आरती की। इसी के बाद आयुष शर्मा और अर्पिता भी अपने दोनों बच्चों आयत और आहिल के साथ भगवान गणेश की आरती की।

आरबीआई ने जुलाई में खरीदा 5 टन सोना

जानिए भारत के पास कितना है सोने का खजाना?

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सोने की कीमतें ऑल-टाइम हाई पर होने के बावजूद, जुलाई 2024 में वैश्विक सेंट्रल बैंकों ने रिकॉर्ड सोने की खरीदारी की। इस दौरान भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने गोल्ड रिजर्व में 5 टन की बढ़ोतरी की है। साल 2024 में अब तक आरबीआई हर महीने सोना खरीद रहा है, जिससे उसकी कुल खरीद 43 टन तक पहुंच गई है। अब आरबीआई के पास कुल 846 टन गोल्ड रिजर्व है।

जुलाई 2024 में दुनियाभर के सेंट्रल बैंकों ने कुल 37 टन सोने की खरीद की, जो पिछले महीने के मुकाबले 206 प्रतिशत अधिक है। यह जनवरी 2024 के बाद सबसे बड़ी मासिक खरीद है। सेंट्रल बैंकों ने 2024 की पहली छमाही में कुल 483 टन सोना खरीदा था। 2023 में सेंट्रल बैंकों ने 1037 टन और 2022 में रिकॉर्ड 1082 टन सोना खरीदा था। सेंट्रल बैंक अपनी रिजर्व्स को डायवर्सिफाइ करने और अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम

करने के लिए सोना जमा कर रहे हैं। जुलाई 2024 में 7 सेंट्रल बैंकों ने एक टन या उससे ज्यादा सोना खरीदा। पोलैंड का नेशनल बैंक 14 टन सोने की खरीद के साथ सबसे बड़ा खरीदार बना, जबकि उज्बेकिस्तान के सेंट्रल बैंक ने 10 टन सोना खरीदा। आरबीआई 5 टन सोने की खरीद के साथ तीसरे स्थान पर रहा, जबकि जॉर्डन के सेंट्रल बैंक ने 4 टन सोना खरीदा।

इसके अलावा, कतर और चेक नेशनल बैंक ने भी अपने गोल्ड रिजर्व में 2-2 टन की बढ़ोतरी की। वहीं, कजाकिस्तान एकमात्र ऐसा देश था जिसने गोल्ड रिजर्व में 4 टन की कटौती की, जिससे उसकी कुल होल्डिंग घटकर 295 टन या उसके कुल रिजर्व का 55 प्रतिशत रह गई।

ई-इंश्योरेंस पॉलिसियां को लेकर बड़ी खबर, जारी हुए नए आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इंश्योरेंस रेगुलेटर IRDAI ने बीमा पॉलिसीहोल्डर्स के अधिकारों से संबंधित एक नया मास्टर सर्कुलर जारी किया है। इस सर्कुलर में ई-इंश्योरेंस पॉलिसियों, हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसियों के क्लेम सेटलमेंट की समयसीमा और कई हेल्थ बीमा पॉलिसियों वाले पॉलिसीहोल्डर्स के अधिकारों को शामिल किया गया है।

यहां सर्कुलर के मुख्य बिंदु दिए गए हैं...

सभी बीमा पॉलिसियां इलेक्ट्रॉनिक फॉर्मेट में जारी करनी होगी। ग्राहक ई-इंश्योरेंस पॉलिसियों पर डिजिटल हस्ताक्षर कर सकते हैं। अगर ग्राहक फिजिकल पॉलिसी दस्तावेज चाहते हैं, तो उन्हें प्रपोजल फॉर्म में इसका उल्लेख करना होगा।

समय सीमा - New Rules: 1 सितंबर से लागू होंगे कई नए नियम, क्रेडिट कार्ड से लेकर फर्जी कॉल्स तक में बदलाव

□□□ □□□□□: 1 सितंबर से लागू होंगे कई नए नियम, क्रेडिट कार्ड से लेकर फर्जी कॉल्स तक में बदलाव

बीमा कंपनी को प्रपोजल फॉर्म स्वीकार करने के 15 दिनों के भीतर पॉलिसी जारी करनी होगी। नए नियमों के तहत इंश्योरेंस कंपनी को प्रपोजल फॉर्म के साथ इनीशिजल प्रीमियम जमा करने की अनुमति नहीं है।

दस्तावेज मिले- पॉलिसीहोल्डर को बीमा कंपनी से निम्नलिखित दस्तावेज प्राप्त करने चाहिए- पॉलिसी दस्तावेज के लिए कवरिंग लेटर जिसमें फ्री लुक अवधि की जानकारी हो, पॉलिसी दस्तावेज, प्रपोजल फॉर्म की एक प्रति, बेनिफिट इलेस्ट्रेशन की प्रति और ग्राहक सूचना पत्र।

CIS अनिवार्य- Customer Information Sheet (CIS) एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है जिसे कंपनी अपने ग्राहकों को उनकी बीमा पॉलिसियों के साथ प्रदान करेगी। यह पॉलिसी की मुख्य विशेषताओं और लाभों का सारांश प्रदान करता है।

सोनाक्षी ने पति जहीर संग न्यूयॉर्क में लहराया देश भक्ति का परचम, इंडिया डे परेड में शामिल हुआ कपल

इन दिनो जहीर और सोनाक्षी न्यूयॉर्क में हैं, जहां दोनों ने इंडिया डे परेड में हिस्सा लिया।

वॉल स्ट्रीट में भारी गिरावट, पिछले 18 महीनों में सबसे खराब सप्ताह

मुम्बई (एजेंसी)।

शुक्रवार को वॉल स्ट्रीट में एक बार फिर भारी गिरावट देखने को मिली। अमेरिकी रोजगार बाजार के बारे में बहुप्रतीक्षित अपडेट इतना कमजोर आया। ऐसे में पहले ऊंची छलांग लगाने वाले प्रौद्योगिकी शेयरों को फिर से नुकसान उठाना पड़ा। इससे अर्थव्यवस्था को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। एसएंडपी 500 में 1.7 प्रतिशत की गिरावट आई और यह मार्च, 2023 के बाद से इसका सबसे खराब सप्ताह रहा। ब्रॉडकॉम, एनवीडिया और अन्य प्रौद्योगिकी कंपनियों ने बाजार को नीचे गिरा दिया, क्योंकि इस बात की चिंता बनी हुई थी कि Artificial Intelligence (AI) के इर्द-गिर्द उछाल में उनकी कीमतें बहुत अधिक बढ़ गई थीं, और उन्होंने नैस्डैक कंपोजिट को बाजार में 2.6 प्रतिशत तक नीचे खींच लिया। सुबह की 250 अंकों की बढ़त को खत्म करने के बाद डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 410 अंक या एक प्रतिशत की गिरावट आई। रोजगार रिपोर्ट आने के बाद बॉन्ड मार्केट में भी तेज उतार-

चढ़ाव देखने को मिला, जहां ट्रेजरी यील्ड में गिरावट आई, फिर सुधार हुआ और फिर गिरावट आई। रिपोर्ट में दिखाया गया कि अगस्त में अमेरिकी नियोक्ताओं ने अर्थशास्त्रियों की अपेक्षा से कम कर्मचारियों को काम पर रखा। इसे साल की सबसे महत्वपूर्ण रोजगार रिपोर्ट के रूप में पेश किया गया था और इसने लगातार दूसरे महीने दिखाया कि भर्ती पूर्वानुमानों से कम रही। इसके बाद हाल ही में विनिर्माण और अर्थव्यवस्था के कुछ अन्य क्षेत्रों में कमजोरी दिखाने वाली रिपोर्ट भी आई।

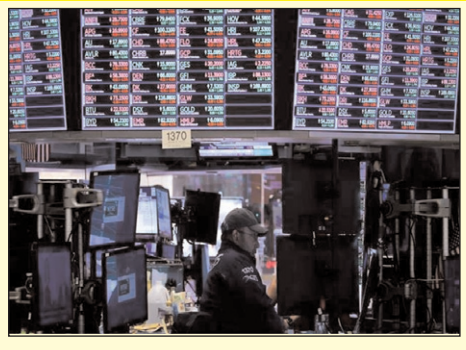

बालको कर्मचारियों ने किसानों के साथ मिलकर किया एसआरआई विधि से धान की रोपाई

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने अपने 'मोर जल मोर माटी' परियोजना के तहत लेट्स डू रोपई कार्यक्रम आयोजित किया। रोपाई में भाग लेकर कर्मचारियों ने समुदाय के साथ हरेली उत्सव मनाया। किसानों को सिस्टम फॉर राइस इंटेंसिफिकेशन (एसआरआई) पर प्रशिक्षण देकर रोपाई विधि को आसान बनाया। 50 से अधिक कर्मचारी स्वयंसेवकों ने 4.5 एकड़ खेत में धान लगाने में योगदान दिया। इस अभियान से लाभान्वित किसान के श्रम लागत में लगभग 15 प्रतिशत की कमी आई।

छत्तीसगढ़ में हरेली त्यौहार कृषि चक्र की शुरुआत का प्रतीक है। हरेली उत्सव किसानों के लिए महत्वपूर्ण त्यौहार है। छत्तीसगढ़ को 'धान का कटोरा' कहा जाता है। इस वर्ष बालको ने अपने कर्मचारियों को किसानों के साथ मिलकर धान की रोपाई में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया। किसानों के साथ मिलकर कार्य करने से एकजुटता की भावना को बढ़ावा मिला।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि बालको किसानों का हरसंभव सहयोग करने के लिए कटिबद्ध है। 'लेट्स डू रोपाई' अभियान में हमारे कर्मचारियों का स्वैच्छिक सेवा, समुदाय के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मोर जोल मोर माटी परियोजना के माध्यम से कंपनी समुदाय के किसानों को सिस्टमेटिक राइस इंटेंसीफिकेशन (एसआरआई) विधि के साथ विभिन्न तकनीक और आधुनिक कृषि पद्धतियों में प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। आवश्यक ज्ञान और संसाधनों के साथ हमारा लक्ष्य किसानों के जीवन में बदलाव लाना है जिसमें कृषि और स्थायी आजीविका के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और बुनियादी ढांचे के विकास भी शामिल है।

कंपनी ने पूरे साल लगभग 2,300 छोटे और सीमांत किसानों को एसआरआई में प्रशिक्षित किया जिससे उनको आर्थिक लाभ मिला है। पारंपरिक तरीकों से खरपतवार, पोषक तत्वों, पानी और सूरज की रोशनी के लिए उपज में बाधा उत्पन्न तथा कीट और बीमारी की समस्याएं पैदा होती हैं जिससे किसानों को नुकसान हुआ है। एसआरआई पद्धति को अपनाने से धान की जड़ों का मजबूत विकास होता है जिससे स्वस्थ फसलें प्राप्त होती हैं। इस तकनीक से किट-पतंगों की समस्या में भी कम हुई है जिससे धान के उत्पादन में 20-30 प्रतिशत की वृद्धि होती है।

बुंदेली गांव की किसान धनसाय पटेल ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि धान के उत्पादन के लिए एसआरआई तकनीक का प्रशिक्षण बहुत उपयोगी साबित हुआ। इस कृषि पद्धति को अपनाने से हमारे धान उत्पादन में वृद्धि हुई है। पारंपरिक तरीकों की तुलना में इस तकनीक ने मुझे बेहतर फसल उपज प्राप्त करने में मदद की है।

रोपई में हिस्सा लेने वाले बालको कर्मचारी सार्थक पटेल ने बताया कि किसानों के साथ काम करना काफी अच्छा लगा। इस अभियान से फसल के बारे में सीखना और अपनी नौकरी के बाहर सकारात्मक प्रभाव डालना सुखद अनुभव था।

बालको की में मोर जल मोर माटी परियोजना 32 गांवों में 1400 एकड़ से अधिक भूमि के साथ 4749 किसानों तक अपनी पहुंच बना चुका है। इस परियोजना के तहत 80 प्रतिशत से अधिक किसानों ने आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाया है जिसमें एसआरआई, ट्रेलिस, जैविक खेती, जलवायु अनुकूल फसल, सब्जी और गेहूं की खेती आदि जैसी आजीविका बढ़ाने वाली गतिविधियों में लगे हुए हैं। लगभग 15 प्रतिशत किसान आजीविका के लिए कृषि से साथ पशुपालन, बागवानी और वनोपज जैसी गतिविधियों से जुड़े हुए हैं। किसानों के औसत वार्षिक आय में वृद्धि के साथ-साथ उत्पादन में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि और लागत में 40 प्रतिशत की कमी।

किसानों का हर संभव सहयोग के लिए बालको प्रतिबद्ध-राजेश कुमार

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि बालको किसानों का हरसंभव सहयोग करने के लिए कटिबद्ध है। 'लेट्स डू रोपाई' अभियान में हमारे कर्मचारियों का स्वैच्छिक सेवा, समुदाय के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मोर जोल मोर माटी परियोजना के माध्यम से कंपनी समुदाय के किसानों को सिस्टमेटिक राइस इंटेंसीफिकेशन (एसआरआई) विधि के साथ विभिन्न तकनीक और आधुनिक कृषि पद्धतियों में प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। आवश्यक ज्ञान और संसाधनों के साथ हमारा लक्ष्य किसानों के जीवन में बदलाव लाना है जिसमें कृषि और स्थायी आजीविका के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और बुनियादी ढांचे के विकास भी शामिल है।

बालको की में मोर जल मोर माटी परियोजना की 32 गांवों में 1400 एकड़ से अधिक भूमि के साथ 4749 किसानों तक पहुंच

बालको की में मोर जल मोर माटी परियोजना 32 गांवों में 1400 एकड़ से अधिक भूमि के साथ 4749 किसानों तक अपनी पहुंच बना चुका है। इस परियोजना के तहत 80 प्रतिशत से अधिक किसानों ने आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाया है जिसमें एसआरआई, ट्रेलिस, जैविक खेती, जलवायु अनुकूल फसल, सब्जी और गेहूं की खेती आदि जैसी आजीविका बढ़ाने वाली गतिविधियों में लगे हुए हैं। लगभग 15 प्रतिशत किसान आजीविका के लिए कृषि से साथ पशुपालन, बागवानी और वनोपज जैसी गतिविधियों से जुड़े हुए हैं। किसानों के औसत वार्षिक आय में वृद्धि के साथ-साथ उत्पादन में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि और लागत में 40 प्रतिशत की कमी।

मिनीमाता कन्या महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति के सदस्यों का ऐलान

सभी सदस्य अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर कॉलेज को नई पहचान दें- आरती विकास अग्रवाल

कोरबा (दिव्य आकाश)।

शास्कीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती आरती विकास अग्रवाल ने समिति के सदस्यों का ऐलान कर दिया है। उनके द्वारा घोषित सदस्यों में उपाध्यक्ष के रूप में कलेक्टर एवं सचिव के रूप में प्राचार्य (डॉ. राजेन्द्र सिंह) पदेन रहते हैं। विधायक प्रतिनिधि के रूप में संजय मानिकपुरी, सांसद प्रतिनिधि के रूप में श्रीमती शोभना परसाईं अपनी जिम्मेदारी का जहां निर्वहन करेंगे वहीं दो अभिभावक सदस्य के रूप में कार्य करेंगे। अन्य सदस्यों में

सामाजिक कार्यकर्ता धन कुमारी गर्ग, कुमारी रेखा सांडिया,श्रीमती मंजू सिंह, श्रीमती ज्योति वर्मा, श्रीमती हेमा साहू, श्रीमती संध्या पांडेय, डॉ. ए पी सिंह, श्रीमती स्मिता सिंह, श्रीमती कोमल आशीष, युवराज चंद्रा, राजेन्द्र साहू, श्रीमती लता नायक, राजेश साहू, कुमारी रेखा श्रीवास एवं श्रीमती स्वाति कश्यप को सदस्य मनोनित किया है। श्रीमती आरती विकास अग्रवाल ने यह मनोनय कोरबा विधायक एवं प्रदेश के केबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन की अनुशंसा पर किया है, जिसमें सभी जाति वर्ग एवं कार्यक्षेत्र को ध्यान में रखकर मनोनय किया गया है। श्रीमती आरती विकास अग्रवाल ने सभी सदस्यों से आग्रह किया है कि टीम भावना के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें और जिले में ही नहीं, बल्कि प्रदेश में एक आदर्श महाविद्यालय के रूप में शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय की पहचान बन सके और सभी सदस्य कॉलेज में संसाधन जुटाने के लिए आवश्यक प्रयास करते रहें और अपना मार्गदर्शन भी देते रहें, ताकि छात्राओं को सरल, सुलभ और स्वस्थ वातावरण में सर्वोत्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध होने के साथ-साथ शैक्षणिकेत्तर गतिविधियों ने भी विद्यालय का नाम रोशन हो।

लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल द्वारा गुरूजन सम्मान समारोह में 65 शिक्षकों का सम्मान

गुरू का स्थान सबसे ऊपर- पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल

कोरबा (दिव्य आकाश)।

05 सितम्बर 2024 दिन गुरूवार को लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल एवं नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल परिसर में शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर गुरूजन सम्मान समारोह का आयोजन राम सागर (सहायक सेनानी 13 बटालियन मड़वारानी) के मुख्य आतिथ्य में संपन्न किया गया। उक्त समारोह में मोहम्मद महमूद मेमन (संकुल प्रभारी-सीएसी, बीरतराई) विशिष्ट अतिथि एवं पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल (चेयरमेन लायंस पब्लिक स्कूल ट्रस्ट) गेस्ट ऑफ ऑनर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य दीपक जायसवाल द्वारा किया गया।

सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा विद्यालय परिसर में स्थापित मॉ सरस्वती जी के मंदिर में पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात् डॉ.राधाकृष्णन सर्वपल्ली जी की प्रतिमा पर दीपप्रज्जवलन कर माल्यार्पण किया गया। विद्यालय के प्राचार्य दीपक जायसवाल ने अपने स्वागत उद्बोधन में सभी अतिथियों, शिक्षकों का स्वागत किया और शिक्षक दिवस पर विस्तार से विद्यार्थियों बताया। मुख्य अतिथि रामसागर ने कहा कि शिक्षक ही है, जो हाड़मांस के लोथड़े को एक संपूर्ण इंसान बनाता है। आज इस बात का चिंतन होना चाहिए कि गुरू, शिष्य के प्रति पूर्ण ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करे, वहीं शिष्य भी पूर्व की भांति गुरू का सम्मान करे। आज मैं इस विद्यालय परिसर में आकर धन्य हो गया और बच्चों का अनुशासन एवं गुरूजनों की कर्तव्य परायणता से अभिभूत हूं।

गेस्ट ऑफ ऑनर, विद्यालय के चेयरमेन पीएमजेएफ लॉयन डॉ. राजकुमार अग्रवाल ने कहा कि गुरू (शिक्षक)का नाम सुनते ही हमारे जेहन में सम्मान का भाव पैदा होता है। उन्होंने कहा कि गुरू का स्थान सर्वोपरी है और वेद पुराणों में गुरू का स्थान भगवान से भी ऊंचा रखा गया है। हमें इस बात पर गर्व हो रहा है कि हम क्षेत्र के प्रतिभावान गुरूजनों का सम्मान कर रहे हैं। समाज को नई दिशा देना भी गुरूओं की बड़ी जिम्मेदारी होती है और वे अपने कर्तव्य परायण और जिम्मेदारी से बच्चों को एक बेहतर नागरिक बनाए, ताकि समाज में एक आदर्श स्थापित हो सके। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य दीपक जायसवाल ने सभी गुरूजनों, अतिथियों, उपस्थित नागरिकों एवं विद्यार्थियों का आभार जताया।

LIC है तो कहीं और क्यों जाएं...?
एलआईसी कराएं... परिवार में सुख-समृद्धि पाएं
LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
आज ही बीमा कराएं अपने और अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित एवं बेहतर बनाएं

नई योजनाओं की जानकारी आज ही लें।
सालिक राजवाड़े (बीमा अभिकर्ता)
कार्पोरेट ऑफिस - वेदांत बीमा सेवा केंद्र
प्रेस क्लब के सामने, रिकाण्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा
मो.नं.-90987-52955, 99262-57886

अधर्म के विनाश के लिए भगवान लेते हैं अवतार -अतुल कृष्ण

कोरबा (दिव्य आकाश)।

ठण्डु राम परिवार (कादमा वाले) के द्वारा मेहर वाटिका में आयोजित हो रही कथा के चौथे दिन रविवार को व्यासपीठ से आचार्य अतुल कृष्ण भारद्वाज ने ज्ञान की महिमा के बारे में श्रद्धालु जनों को बताया।

कथा व्यास से अतुल कृष्ण भारद्वाज ने कहा कि मनुष्य को गृहस्थ जीवन जीने के लिए भगवान शिव के आदर्शों पर चलना चाहिए। भगवान शिव अपने विवाह के श्रृंगार से समाज को बताना चाहते हैं कि मेरे सिर पर नाग विराजमान है, जिसका तात्पर्य है कि संसार के समस्त प्राणियों के सिर पर कालरूपी नाग बैठा है, जो प्रत्येक दिन उसकी आयु को खा रहा है। भगवान शेर की खाल धारण कर यह बताना चाह रहे हैं कि मनुष्य को गृहस्थ जीवन संयमित जीवन सिंह की तरह जीना चाहिए, क्योंकि शेर अपने जीवन मैं एक नारीव्रत धारी है। लोगों ने कहा है कि विवाह में दुल्हा घोड़े पर बैठता है, परन्तु भगवान शिव नन्दी पर बैठे हैं, जिसका तात्पर्य यह है कि नन्दी धर्म का प्रतीक है और घोड़ा काम का प्रतीक है। भगवान शिव पूरे शरीर पर चिता की राख लपेटे हैं, जिसका तात्पर्य यह है कि दुनिया के सभी प्राणियों को एक दिन चिता में है जाना है।

कथाव्यास ने भगवान श्री राम एवं भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव का सुन्दर वर्णन करते हुए कहा है कि जब-जब धरती पर अधर्म का बोलबाला होता है, तब-तब भगवान किसी ना किसी रूप में धरती पर अवतरित होकर असुरों का नाश करते हैं, जिससे अधर्म पर धर्म की विजय होती है। भगवान को प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को फ्रिज में बने फ्रिजर की तरह होना चाहिए अर्थात काम, क्रोध, मोह, लालच एवं ईर्ष्या को त्याग कर भक्ति एवं सच्चे मन की साधना से प्राप्त कर सकते हैं।

निर्मल मन जन सो मोहि पावा, मोहि कपन छल, छिद्र न भावा

त्रेतायुग में जब असुरों की शक्ति बढ़ने लगी, धर्म प्राय: लुप्त हो रहा था, तब माँ कौशल्या की कोख से भगवान श्री राम ने जन्म लिया। द्वापर में माँ देवकी की कोख से भगवान श्री कृष्ण के रूप में अवतार लिया। पूज्य व्यास ने कहा कि भगवान कण-कण में विराजमान हैं, सर्वत्र विद्यमान हैं। प्रेम से पुकारने पर कहीं भी प्रकट हो सकते हैं। भगवान तो निर्मल मन एवं भक्ति देखते हैं, इसीलिए कहा गया है कि हरि व्यापक सर्वत्र समाना, प्रेम से प्रकट होंही मैं जाना

धर्म और सम्प्रदाय की व्याख्या करते हुए कथा व्यास ने कहा है कि एक पुस्तक, एक पूजा स्थल, एक पैगम्बर, एक पूजा पद्धति मनुष्य को सीमित व संकुचित बनाती है, जबकि ईश्वर को विभिन्न रूपों में विभिन्न माध्यमों से स्मरण करना, दर्शन करना मात्र सनातन धर्म सिखाता है। आज मेरे देश की संस्कृति, सभ्यता, खान-पान इत्यादि पर पाश्चात्य संस्कृति का असर दिखाई पड रहा है। कथा व्यास ने माता और बहनों से आग्रह किया कि गर्भवती माताओं का चिन्तन-मनन, खान-पान, पठन-पाठन, रहन-सहन होने वाले बच्चे पर अत्यन्त प्रभाव डालते हैं इसीलिए गर्भावस्था के समय माताओं को भगवत भजन का स्मरण करने के साथ सात्विक भोजन एवं आध्यात्मिक चिन्तन-मनन करना चाहिए।

सांसद, महापौर ने भी लिया आशीर्वाद

आज की कथा में कोरबा लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती ज्योत्स्ना चरणदास महंत ने पहुंचकर कथा श्रवण करते हुए पुण्य लाभ अर्जित किया। सांसद ने व्यासपीठ व आचार्य अतुल कृष्ण से आशीर्वाद लिया। कथा आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि भागवत कथा का आयोजन होते रहना चाहिए जिससे हमें अपने सनातन धर्म के बारे में जानने-समझने के साथ-साथ भगवत प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। सांसद के साथ महापौर राजकिशोर प्रसाद, पूर्व सांसद प्रतिनिधि हरीश परसाई, निगम सभापति श्याम सुंदर सोनी, पूर्व महापौर जोगेश लाम्बा, श्रीमती ऊषा तिवारी, कांग्रेस कमेटी शहर जिलाध्यक्ष श्रीमती सपना चौहान, पार्षद संतोष राठौर, पोषक दास महंत, वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक तिवारी, भाजपा नेता गोपाल मोदी ने भी आचार्य का आशीर्वाद लेकर कथा श्रवण किया।

दुकान किराये पर देना है
कोरबा के हृदय स्थल टी.पी. नगर नया बस स्टैंड के पास होटल ब्लू डायमंड के सामने प्रथम मंजिल में सर्वसुविधायुक्त 2500 sqft फाल सिलिंग लगा हुआ शीघ्र ही किराए पर देना है।
हमसे संपर्क करें-
गोपाल राय सोनी
मो.: 79996 32557

जांजगीर । जगह-जगह पूजा पंडालों में गणेशजी पधार चुके हैं।

गणेश पंडाल जाकर जयसिंह ने की पूजा अर्चना, प्रदेश की खुशहाली, समृद्धि के लिए की प्रार्थना

कोरबा (दिव्य आकाश)।

ढोढीपारा वार्ड क्र. 15 आयुष्मान स्वास्थ्य केन्द्र भवन के पास गणेश चतुर्थी पर्व के दिन विराजमान श्री गणेश जी के दर्शन लाभ लेने पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल पहुंचे।

वार्ड क्र. 15 ढोढीपारा के नवयुवक संगठन के द्वारा आयोजित श्री गणेश पूजा उत्सव कार्यक्रम में पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल बतौर मुख्य अतिथि गणेश पंडाल का लोकार्पण कर विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर क्षेत्र में अमन चैन, सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर उत्सव समिति के पदाधिकारियों ने श्री अग्रवाल को पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस मौके पर महापौर राजकिशोर प्रसाद, वार्ड के पूर्व पार्षद मनकराम साहू सहित उत्सव समिति के सदस्यगण व वार्डवासी भारी संख्या में उपस्थित थे।

गहमा-गहमी के बीच ऑटो संघ का चुनाव संपन्न, आजम खान बने अध्यक्ष

कोरबा (दिव्य आकाश)।

8 सितंबर को जिला ऑटो संघ का चुनाव गहमा-गहमी के बीच संपन्न हुआ। सूर्यवंशी भवन रिकांडो रोड में सुबह से ही काफी गहमा गहमी थी। 1330 मतदाता के बीच आजमखान ने बाजी मारी और अध्यक्ष पद के लिए चुन लिए गए। सभी ने उनका स्वागत किया।

आचार्यश्री मृदुलकांत शास्त्री की पत्रकारवार्ता, कहा- भगवत कृपा के साथ पितरों का आशीर्वाद भी जरूरी

कोरबा (दिव्य आकाश)।

इन दिनों टीपी नगर स्थित आशीर्वाद प्वाइंट, पं. दीनदयाल सांस्कृतिक भवन में कबुलपुरिया परिवार का श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह महोत्सव का आयोजन चल रहा है। आज चौथे दिन कथा प्रारंभ होने से पूर्व दोपहर 12.00 बजे आचार्यश्री मृदुलकांत शास्त्री ने पत्रकारवार्ता ली और कहा कि भगवत कृपा के साथ पितरों का आशीर्वाद भी जरूरी है और संतानों को माता-पिता के जीवित रहने और मरने तक अपने धर्म का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि माता-पिता से बढकर दुनिया में कोई नहीं होता। एक अच्छी संतान बनकर अपने कर्तव्यों पर पालन करने वाला इंसान सुख समृद्धि को प्राप्त करता है और ऐसे व्यक्ति के जीवन में कभी क्लेश नहीं आता और परिवार आबाद रहता है।

पवित्र है छत्तीसगढ़ की मिट्टी

आचार्यश्री शास्त्री ने कहा कि मैंने देश के कई राज्यों में प्रवचन करने गया लेकिन छत्तीसगढ़ की मिट्टी जैसी पवित्रता कहीं नहीं देखी। यहां के लोग जजमानों का ऐसा स्वागत और ऐसा लगाव देखकर मैं काफी अभीभूत हूं। छत्तीसगढ़ की माटी ही ऐसी है, कि यहां जो भी आएगा, यहां से जाने का मन नहीं करता। उन्होंने उड़ीसावासियों की भी प्रशंसा की।

उपदेश देने से पहले उसे अपने आचरण में सुधार लाएं, तभी उपदेश फलीभूत होगा

आचार्यश्री शास्त्री ने कहा कि आज धार्मिक उपदेश देने वाले अधिकांश वक्ता व्यवसायी हो गए हैं, यह दुर्भाग्य की बात है। उन्होंने एक प्रश्न के जवाब में कहा कि उपदेशक पहले अपने आचरण को चरित्रवान बनाएं और उपदेश दें तो वह ज्यादा सार्थक होगा। उन्होंने कहा कि जो परंपरा से जुड़ा नहीं और धार्मिक उपदेश देने लगा, ऐसे लोग ही आज ज्यादा व्यवसायी बन गए हैं। जो संप्रदाय से जुडकर सनातन काल से उपदेश देते आ रहे हैं और पीढ़ी दर पीढ़ी भगवत भक्ति को अपनाकर कथा कह रहे हैं, ऐसे लोग कभी व्यवसायी नहीं बन सकते। आचार्य श्री मृदुलकांत शास्त्री ने कहा कि धार्मिक उपदेश को उन्हीं वक्ताओं ने व्यवसायिक बना दिया है, जो ब्राम्हण सम्प्रदाय से नहीं जुड़े हैं और जिनका कर्म पूजा पाठ नहीं है। ये लोग धर्म के नाम पर माया जाल बिछाते हैं और व्यक्ति पूजा को अंध विश्वास में बढ़ाते हैं। भारत के लोग धार्मिक होने के कारण ऐसे माया जाल में फंस जाते हैं और ये लोग कुबेर बन जाते हैं।

बिना नीति की हो गई है राजनीति

आचार्यश्री शास्त्री ने एक प्रश्न के जवाब में कहा कि आज की राजनीति ऐसी हो गई है, धर्म के आड़ में ऐसे लोग किसी तरह सत्ता तक पहुंचने की कोशिश में लोगों को लड़ाते हैं। उन्होंने कहा कि आज की राजनीति बिना नीति की हो गई है और सत्ता के लिए धर्म का दुरूपयोग करते हैं। उन्होंने कहा कि राम राज्य तभी आएगा जब सभी सनातन मिलकर देश के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि सनातन हमें क्षमा करना सिखाता है और क्षमा करने वाले से बड़ा कोई नहीं होता।

उन्होंने एक प्रश्न के जवाब में कहा कि यदि कोई जगत जननी का अपमान करता है, तो वह क्षम्य योग्य नहीं होता और ऐसे लोग राजनीतिक फायदे के लिए दंगा भडक़ाते हैं, जो दुर्भाग्यजनक है।

कृष्ण भूमि की मुक्ति के लिए आंदोलन जरूरी नहीं

आचार्यश्री शास्त्री ने एक प्रश्न के जवाब में कहा कि कृष्ण भूमि मे कोई विवाद नहीं है और ना ही इसके लिए आंदोलन की जरूरत है। ब्रज भूमि में आज तक कोई हिंसा नहीं हुई और सभी धर्म के लोग सद्भाव पूर्वक रहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जो ब्रज भूमि के मूल निवासी हैं, मुस्लिम भी यज्ञ, कथा, मंदिर में सहयोग करते हैं। जो यहां के मूल निवासी नहीं, वे ही भडक़ाने की कोशिश करते हैं। वहां पहले से ही कृष्ण जन्मभूमि सेवा संस्थान ट्रस्ट बना हुआ है और बातचीत से कृष्ण भूमि मुक्त हो जाएगी। काशी विश्वनाथ मंदिर विवाद भी जल्द सुलझ जाएगा।

अपने पितरों के मोक्ष के लिए 13 दिन समय अवश्य निकालें

आचार्यश्री शास्त्री ने कहा कि आज मनुष्य इतना व्यस्त हो गया है कि वह अपने परिवार के लिए भी समय नहीं निकालपाता, यह दुर्भाग्य है। मैंने महानगरों में देखा है कि यदि घर के बुजूर्ग का निधन हो जाता है तो चार दिन में ही क्रियाकर्म संपन्न कर लेते हैं। उन्होंने कहा कि पितरों के मोक्ष के लिए दशगात्र और तेरहवीं तक कार्यक्रम जरूरी है। उन्होंने संतानों से आग्रह किया कि पितरों के मोक्ष के लिए 13 दिन का समय अवश्य निकालें।

धर्म गुरूओं को व्यक्ति पूजा से दूर रहना होगा

आचार्यश्री मृदुलकांत शास्त्री ने कहा कि आज व्यक्ति पूजा हावी हो गई है और धर्म गुरू भगवान की पूजा की प्रेरणा देने के बजाए स्वयं की पूजा के लिए लोगों को प्रेरित करते हैं, जो ठीक नहीं। उन्होंने कहा कि जो सर्वत्र हैं, जो सर्व ज्ञानी है, जो दुनिया का संचालन कर रहा है, उसकी पूजा होनी चाहिए, ना कि उपदेशक की। उन्होंने कहा कि वे 26 साल से धर्म उपदेश दे रहे हैं, लेकिन वे कभी भी व्यक्ति पूजा के समर्थक नहीं रहे। शंकराचार्य विवाद को लेकर कहा कि यह ऐसा पद है, जिसकी सब पूजा करते हैं, लेकिन इस पद के लिए विवाद नहीं होना चाहिए। प्रेसवार्ता में गोपाल अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, मामनचंद अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, सतीश अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, विष्णु अग्रवाल, अजय अग्रवाल, भीम कुमार गुप्ता, रजनीश अग्रवाल सहित कबुलपुरिया परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

आशीर्वाद प्वाइंट में श्रीमद् भागवत कथा का चौथा दिन

राम राज बटोरने में नहीं, बांटने में है-आचार्यश्री मृदुलकांत

कृष्णजन्मोत्सव देखने एवं राम के शबरीधाम पहुंचने की कथा सुनने उमड़ा जनसैलाब

कोरबा (दिव्य आकाश)।

टीपी नगर स्थित आशीर्वाद प्वाइंट, पं. दीनदयाल सांस्कृतिक भवन में पितृ मोक्षार्थ गया श्राद्ध निमित्त कबुलपुरिया परिवार का श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह महोत्सव का आयोजन चल रहा है। आज चौथे दिन भागवत भूषण आचार्यश्री मृदुलकांत शास्त्री के श्रीमुख से कृष्णजन्मोत्सव, राम के शबरीधाम पहुंचने की कथा निकली, जिसे सुनने और देखने आज कथा स्थल पर जन सैलाब उमड़ पड़ा। कोरबा ही नहीं बल्कि कटघोरा, छुरीकला एवं अन्य जगहों से भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचे। सबसे पहले वामन अवतार की कथा कही और भगवान नारायण के इस अवतार का महात्म्य समझाया। वामन के रूप में भगवान ने अपनी अद्भूत लीला के माध्यम से दुनिया को संदेश दिया कि मनुष्य की ऊंचाई उसके कर्म से बनती है।

रामचरित्र की कथा सुनाते आचार्यश्री ने कहा कि ब्रम्हा द्वारा लिखा गया भाग्य कभी मिटता नहीं। राम जैसे भगवान को भी कष्ट सहना पड़ा, हम तो इंसान है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम ने मानव रूप धरकर मानव की मर्यादा में रहकर दुनिया को संदेश दिया और कहा कि राम राज बटोरने में नहीं बल्कि बांटने में है। उन्होंने एक आदमी के कहने पर सीता को छोड़ दिया और राज धर्म को परिवार धर्म से ऊंचा रखा। राम राज में अंतिम व्यक्ति का भी सुना जाता था। उन्होंने कटाक्ष करते हुए आज की राजनीति की भर्त्सना भी की और कहा कि आज सिर्फ बटोरने का काम हो रहा है, ऐसे में रामराज की परिकल्पना कैसे साकार होगी। राम राज तो बांटने से ही आएगा और अंतिम व्यक्ति के लिए सोचने से आएगा। किस तरह भगवान राम ने शबरी की झोपड़ी में पहुंचकर अंतिम व्यक्ति को धन्य किया। बरसों से उसकी तपस्या सफल हुई। संगीतमय वातावरण होने के कारण सब... राम जी आएंगे... मेरी झोपड़ी के भाग जाग जाएंगे... की धुन पर जमकर थिरकते नजर आए।

कृष्णजन्मोत्सव पर जमकर थिरकते रहे लोग

श्रीमद् भागवत कथा का आज चौथा दिन विशेष रहा। भगवान श्रीकृष्ण कथा में आज बालरूप में अवतरित हुए और अथाह भीड़ ने भगवान कृष्ण के जन्म लेते ही बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ थिरकते नजर आये और उनका अवतरण दिवस खास ढंग से मनाया। पूरा परिसर कृष्ण जन्मोत्सव के संगीत और गीत से हर्षोल्लासित नजर आ रहा था। आज के इस उत्सव में केबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन, पूर्व केबिनेट मंत्री जयसिंह अग्रवाल सहित कोरबा के कई दिग्गज कृष्ण जन्मोत्सव, रामचरित्र एवं राम का शबरी प्रेम देखने पहुंचे थे। आज पूरा कथा कक्ष खचाखच भरा हुआ था। यह दृश्य देखकर स्वयं आचार्य श्री मृदुलकांत शास्त्री अभिभूत दिखे और कहा कि यह सब राम और कृष्ण की लीला ही तो है, कि वे इतने सारे भक्तों को यहां खींच ले आए। यशोदा की गोद में कृष्ण का बालपन झांकी के रूप

में काफी सुशोभित हो रहा था। आचार्यश्री ने संगीतमय कथा के माध्यम से कृष्ण का जन्म किस तरह हुआ, इसका बखान कर लोगों को भक्तिभाव के लिए प्रेरित किया और कहा कि भगवान कृष्ण ने पूरे विश्व को प्रेमयोग का पाठ पढ़ाया।

राम-शबरी, वामन अवतार की भी झांकी ने किया आकर्षित

कथा स्थल पर भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव की झांकी के साथ-साथ राम का शबरी से मिलन और उनकी झोपड़ी में जाना, वामन अवतार की झांकी ने भी श्रद्धालुओं को अति आकर्षित किया। सभी ने आज के इस उत्सव को अद्भूत बताया और झांकियों की पूजा अर्चना करने काफी आतुर दिखाई दे रहे थे।

कलयुग में नाम की महिमा अपरंपार, नाम लेने से ही नारायण चले आते हैं- आचार्य मृदुलकांत शास्त्री

कोरबा (दिव्य आकाश)।

आशीर्वाद प्वाइंट, पंडित दीनदयाल सांस्कृतिक भवन टीपीनगर कोरबा में पितृ मोक्षार्थ गया श्राद्ध निमित्त कबुलपुरिया परिवार द्वारा कराया जा रहा श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह महोत्सव के आज तृतीय दिवस भागवत भूषण आचार्यश्री मृदुलकांत शास्त्री जी महाराज ने नाम की महिमा का बखान किया और कहा कि यदि हम अनजाने में ही नारायण का नाम लेते हैं तो भगवान भाव के भूखे होते हैं और चले आते हैं। कलयुग में नारायण के नाम की महिमा अपरंपार है। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि अपनी संतानों का नाम भगवान के नाम पर रखें, नाम में भी संस्कार छुपा होता है। उन्होंने कई प्रहसन के माध्यम से नाम की महिमा का बखान किया और कहा कि एक बार किसी घर में चोर घूस गया और बूढ़ी मां चिल्लाने लगी- नारायण-नारायण। बेटा नारायण तो नहीं आया, लेकिन शोरगुल सुनकर पड़ोस के कई लोग आये और चोर भाग गया। नारायण किसी न किसी रूप में अपने भक्तों की मदद अवश्य करते हैं। उन्होंने और कई प्रहसनों के माध्यम से नारायण की महिमा का महत्व समझाया।

भव्य कलश यात्रा के साथ आशीर्वाद प्वाइंट में श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

आचार्य श्री मृदुलकांत शास्त्री ने कहा- जब तक जीवन में भक्ति नहीं तब तक शांति नहीं

भागवत कथा का प्रथम दिन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कबुलपुरिया परिवार कोरबा एवं दिल्ली द्वारा 04 सितंबर से 11 सितंबर तक आशीर्वाद प्वाइंट,पंडित दीनदयाल सांस्कृतिक भवन टीपी नगर कोरबा में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। आज प्रात: 8.00 बजे गायत्री मंदिर सीएसईबी चौक से भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें कबुलपुरिया परिवार की सैकड़ों महिलाओं ने भाग लिया और आचार्य श्री मृदुलकांत शास्त्री के सानिध्य में मंत्रोच्चार के साथ कलश यात्रा कथा स्थल पहुंची, जहां पर आचार्य श्री ने कथा ब्यास की स्थापना की और पूजा अर्चना के साथ भगवान श्री कृष्ण एवं सभी देवताओं का आह्वान किया गया। सर्वप्रथम रिद्धि-सिद्धि के दाता, विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश का आह्वान किया गया।

आज प्रथम दिन आचार्य श्री मृदुलकांत शास्त्री जी महाराज ने श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ किया और संगीतमय भजन से उपस्थित सैकड़ों श्रद्धालुओं को भगवान श्री कृष्ण के भक्ति रस में घंटों तक डुबाए रखा और भक्ति उपासना का महत्व समझाते हुए कहा कि जब तक जीवन में भक्ति नहीं है, तब तक मनुष्य को जीवन में शांति नहीं मिल सकती, इसलिए मनुष्य को भगवत भक्ति के लिए समय निकालकर स्वयं के जीवन के लिए कुछ समय अवश्य निकालना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने देखा है कि वृंदावन में बड़ी-बड़ी गाडियों में लोग आते हैं और भगवान श्री के चरणों में रोते हुए जीवन में शांति की भीख मांगते हैं।

आचार्यश्री के श्रीमुख से निकलते भक्ति रस से श्रोतागण झूमते नजर आये और घंटों तक सभी को भगवान श्री कृष्ण की भक्ति और लीला का कलयुग में महात्म्य समझाया और कहा कि कलयुग में भगवान की भक्ति से बड़ा मोक्ष का कोई रास्ता नहीं है। उन्होंने भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का महात्म्य भी समझाया और कहा कि

प्रेत योनी से मोक्ष में ये तीनों महत्वपूर्ण हैं और भगवत की महिमा की संपूर्ण जीवन का आधार है।

उन्होंने हिन्दूओं पर ही व्यंग्य कसते हुए कहा कि भगवान श्री कृष्ण को हम जैसे लोग ही गाली देते हैं, मां सीता के चरित्र पर लांछन किसने लगाया, हमारे जैसे लोग ही। कोई मुस्लिम या इसाई ऐसे लांछन नहीं लगाता। आचार्यश्री ने कहा कि यदि आप सोचते हैं कि आप अच्छा काम करेंगे, तो आपकी प्रशंसा होगी, यह भूल जाइए। आप अच्छा कर्म करें, दुनिया की परवाह किये बगैर। अपने आप को ऐसा बनाइए कि दूसरों के जीवन में शांति आये। भगवान श्री कृष्ण ने श्रीमद् भागवत कथा के माध्यम से मनुष्य के जीवन में कर्म को प्रधान के रूप में संदेश दिया है और कहा है कि श्रीमद् भागवत की कथा सुनने से ही मनुष्य का कल्याण हो सकता है। आचार्य श्री ने प्रथम दिन भव्य कलश यात्रा के महत्व को भी समझाया। उन्होंने भागवत कथा महात्म्य के बारे में विस्तार से बताया और कुंती स्तुति, भीष्म स्तुति के माध्यम से श्रोतागणों का रसपान कराया। उन्होंने कलयुग में श्रीमद् भागवत कथा का महत्व समझाते हुए कहा कि श्रीमद् भागवत के अनुसार सभी मनुष्य को अपनी जीवन शैली बनानी चाहिए और सुबह ब्रम्ह मुहूर्त में उठना चाहिए और देर रात तक जागना नहीं चाहिए। आज लोग बोलते हैं कि अति व्यस्त हूं, समय नहीं है। ऐसी सोच रखना उनकी भूल है और यदि स्वयं के लिए समय नहीं निकाल नहीं पाते तो ऐसा जीवन भी किस काम का । कर्म प्रधान विश्व करी राखा ... भगवान श्री कृष्ण ने श्रीमद् भागवत के माध्यम से हमें यह सीख दी है कि अच्छे कर्म करो... जीवन अपने आप धन्य हो जाएगा। आचार्यश्री के संगीत मय कथा-प्रवचन से लोग अपने आप को धन्य समझ रहे हैं। यह कथा आगे 11 सितंबर तक निर्विघ्न चलती रहेगी।

कल सुकदेव आगमन, कपिल अवतार, शिव-सती चरित्र कथा

कथा के दूसरे दिन आचार्यश्री मृदुलकांत शास्त्री के श्रीमुख से सुकदेव का आगमन होगा और ऋषि कपिल का अवतार, श्री शिव-सती चरित्र का वर्णन किया जाएगा। आचार्यश्री ने कोरबावासियों से अपील की है कि श्रीमद् भागवत का श्रवण करने आशीर्वाद प्वाइंट में दोपहर 3.00 बजे अवश्य पधारे और जीवन को धन्य करे।

भक्ति , ज्ञान और वैराग्य की झांकी ने मनमोहा

आचार्यश्री मृदुलकांत शास्त्री महाराज के श्रीमुख से संगीत मय कथावाचन के साथ प्रथम दिन भक्ति, ज्ञान और वैराग्य की मनमोहक झांकी कथा स्थल पर रखी गई और उन्होंने इन तीनों जीव तत्वों के बारे में विस्तार से वर्णन किया और भक्ति से जीवन को कैसे धन्य बनाएंगे, ज्ञान से किस तरह तिमीर का नाश करेंगे और भगवान की भक्ति ही जीवन का वैराग्य है, का विस्तार से श्रोतागणों को समझाया। संगीतमय कथावाचन से यहां उपस्थित सैकड़ों श्रोतागण भक्ति में झूमते नजर आये, यहां भक्ति की शक्ति देखने को मिला।

फिर विवादों में कटघोरा वनमंडल : वन विभाग ने एमपी के मजदूरों से कराया काम, वेतन नहीं मिला तो ऑफिस के सामने बैठे, बोले- यहीं मर जाएंगे

राजेश यादव द्वारा-

कटघोरा (दिव्य आकाश)।

कोरबा जिले में मध्यप्रदेश के उमरिया जिले के 50 लोगों ने पसान में रेंजर कार्यालय के पास डेरा डाल दिया। उन्होंने कर्मचारियों पर परेशान करने का आरोप लगाया। चेतावनी दी है कि अगर काम का भुगतान जल्द नहीं किया जाता है, तो वह यहीं पर मर जाएंगे, लेकिन यहां से मजदूरी लिए बिना नहीं जाएंगे।

कटघोरा वन मंडल अंतर्गत वन परीक्षेत्र पसान से संबंधित यह मामला सामने आया है। कुछ समय पहले वन विभाग ने सीपतपारा क्षेत्र में पौधारोपण और फेंसिंग से संबंधित काम कराया है। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले के 50 से ज्यादा लोगों को इस काम में शामिल किया गया था। रोजगार की दृष्टि से इन लोगों ने वन विभाग के इस काम में रुचि ली और कई किलोमीटर तय कर पसान रेंज में पौधरोपण का कार्य किया। यहां के विवादित रेंजर रामनिवास दहायत ने उन्हें भुगतान के लिए घुमाता रहा। परेशान मजदूरों ने कर्मचारियों के द्वारा किये जा रहे दुर्व्यवहार और भुगतान न मिलने से नाराज होकर रेंजर कार्यालय के सामने धरना दे दिया। बताया जा रहा है कि ये मजदूर कलेक्ट्रेट कार्यालय भी पहुंचे और जब इस बात की जानकारी कलेक्टर को हुई तो उन्होंने संज्ञान लेते हुए डीएफओ निशांत कुमार को समस्या का तत्काल निराकरण के निर्देश दिए। बताया जा रहा है कि कलेक्टर की फटकार के बाद इन मजदूरों को साढ़े तीन लाख का भुगतान किया गया।

स्टाप डेम में करोड़ों का भ्रष्टाचार

पसान और जटगा रेंज में 50 करोड़ से अधिक की लागत से कैम्पा मद से कार्य हुए। उक्त कार्य तात्कालीन डीएफओ शमा फारूकी के समय सेंक्शन हुआ था लेकिन उस समय कार्य अपूर्ण और गुणवत्ताहीन होने के कारण मामला विधानसभा में उठा था। अब वर्तमान डीएफओ कुमार निशांत ने पूर्ण कराया, लेकिन आनन फानन में कार्य पूर्ण तो करा लिया गया, लेकिन गुणवत्ता पर अब भी कोई ध्यान नहीं दिया गया और कार्य पूर्ण होने पर रेंजर दहायत वाहवाही लूटने में लगा हुआ है। बताया जा रह है कि सभी स्टाप डेम निर्माण का भुगतान भी हो चुका है। यदि फिर से जांच होती है तो करोड़ों का भ्रष्टाचार उजागर हो सकता है।

रेल कारीडोर जटगा और पसान क्षेत्र से गुजरने के कारण रेलवे ने पर्यावरण संरक्षण के लिए 50 करोड़ से अधिक की राशि वन विभाग को हस्तांतरित किया था और कैम्पा मद से उक्त स्टापडेम का निर्माण कराया गया। इस भ्रष्टाचार में पूर्व रेंजर राजेश चौहान ने भी जमकर जेब भरी, वहीं कार्यपूर्ण होने पर दहायत को भी बड़ा हिस्सा हाथ लगा। यह दुर्भाग्य कहें कि वन विभाग भ्रष्टाचार का गढ़ बना हुआ है और आये दिन खासकर कटघोरा वनमंडल हमेशा मजदूरी भुगतान, वन कटाई सहित कई मामलों में हमेशा विवादों में घिरा रहता है और अब फिर पौध रोपण एवं फेंसिंग कार्य में स्थानीय मजदूरों की उपेक्षा कर मध्यप्रदेश से मजदूर बुलाये गए और उन्हें भुगतान करने के बजाय उनसे दुर्व्यवहार किया गया।

फेंसिंग और पौधा रोपण का काम कराया

मजदूर रोशनी बाई ने बताया कि उन्हें फोन कर एमपी से छत्तीसगढ़ के पसान में वन विभाग के कर्मचारियों के द्वारा बुलाया गया, जिसके बाद फेंसिंग और पौधा रोपण का काम कराया गया। 50 मजदूरो से मजदूरी कराई गई।

मजदूरों ने बताया कि त्योहार के समय उन लोगों को 50 लोगों को बांटने 55000 दिए गए थे और बाकी रकम बाद में देने की बात हुई थी। हम लोग अधिकारी के फोन पर यहां पहुंचे हैं, लेकिन अब भुगतान की बात नहीं की जा रही है और परेशान किया जा रहा है। अगर हमें बकाया भुगतान नहीं मिलता है तो हम यहीं पर मर जाएंगे।

विवादों में घिरे हैं रेंजर दहायत

बीते मई अंतिम सप्ताह में पसान रेंज के लैंगा में कुछ ग्रामीणों ने जंगली सुअर को मार दिया था। बताया जा रहा है कि एक बीट गार्ड को रेंजर ने उनके घर रेड करने का आदेश दिया था, लेकिन बीट गार्ड रेंजर के इशारे पर उनके खिलाफ वन अधिनियम के तहत कार्यवाही करने के बजाए उनसे लेन देन कर मामले को रफा दफा कर दिया।

जब इस बात की जानकारी डीएफओ को हुई तो उन्होंने यहां की एक महिला बीट गार्ड उषा सोनवानी को जांच का जिम्मा सौंपा और मामले का खुलासा करते हुए जांच रिपोर्ट रेंजर दहायत को सौंप दी। दहायत ने उक्त मामले को रफा दफा कर दिया और दो महीने तक रिपोर्ट को दबाए रखा। मामला जब सीसीएफ के पास पहुंचा तो उन्होंने पाली एसडीओ को जांच अधिकारी बनाया, लेकिन ढाई महीना बीत जाने के बाद भी अब तक इस मामले में कोई कार्यवाही नहीं हो पायी, जिसके कारण रेंजर दहायत का हौसला और बुलंद हो गया है।

जिले के कटघोरा वन मंडल में विवादित अधिकारियों-कर्मचारियों का कुनबा

कटघोरा वनमंडल हर साल किसी न किसी बात को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहता है। शमा फारूकी के कार्यकाल में जहां वन मंडल सुर्खियों में रहा और भ्रष्टाचार की इंतहां हो गई थी। उनके द्वारा कराये गए करोड़ों के विकास कार्यों को लेकर मामला विधानसभा में भी उठा। शमा फारूकी को कटघोरा वनमंडल से हटाने के बाद उसके बाद प्रेमलता यादव को पोस्टिंग दी गई, वे भी भ्रष्टाचार के मामले में जब तक रहीं, सुर्खियों में रहीं। भाजपा शासन आते ही निशांत कुमार को डीएफओ बनाया गया, लेकिन कटघोरा वनमंडल का विवाद अब तक खत्म नहीं हुआ। पसान रेंजर और वहां का वनकर्मी जंगली जानवर के शिकार मामले में एवं स्टाप डेम निर्माण में सुर्खियों में है, और अब एमपी के मजदूरों से काम कराने और भुगतान न करने के मामले में सुर्खियों में है। मरवाही के पूर्व डीएफओ संजय त्रिपाठी की जांच चल रही है और अब कटघोरा में एसडीओ के रूप में सुर्खियों में है।

रेंजर दहायत फोन उठाते ही नहीं

पसान रेंजर रामनिवास दहायत की जब से पसान में पोस्टिंग हुई है, तब से विवादित चल रहे हैं। वे फोन तक नहीं उठाते। दिव्य आकाश प्रतिनिधि ने कई बार फोन किया लेकिन उन्होंने फोन उठाया तक नहीं।

प्रथम पूज्य गणेश जी पधारे जगह-जगह विराजे विघ्नहर्ता, बाजार में लौटी रौनक

कोरबा (दिव्य आकाश)।

प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश आज जगह-जगह विराजमान हुए। दोपहर शुभ मुहूर्त में कोरबा शहरी क्षेत्र के विभिन्न स्थानों में पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ गणेश जी की प्रतिमा को स्थापित किया गया और भव्य पंडालों में विघ्नहर्ता विराजमान हो गए। कोरबा शहर सहित उपनगरीय क्षेत्रों, बालको, दर्री, कटघोरा, पाली, दीपका, बांकीमोंगरा, छुरीकला, हरदीबाजार सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई।

बाजार में लौटी रौनक

गणेश चतुर्थी के साथ भारत में त्यौहारों का शुभागमन हो जाता है। गणेश चतुर्थी में भव्य पंडालों में विराजमान गणेश को देखने शाम से कोरबा में चहल कदमी बढ़ गई और इस तरह बाजार में रौनक भी लौट आयी है। गणेश चतुर्थी से लेकर अनंत चौदस तक चारों तरफ गणेश पूजा की जहां धूम रहेगी, वहीं बाजार में लोगों की खरीददारी भी प्रारंभ हो जाएगी। सार्वजनिक गणेश पूजा समितियों के साथ-साथ श्रद्धालु अपने घरों में भी विघ्नहर्ता को स्थापित किये हैं और पूजा अर्चना कर रहे हैं।

मनुष्य बाहरी आवरण को दमकाने के बजाय आत्मा को पुष्ट करने के लिए करें अच्छा कार्य-आचार्यश्री मृदुलकांत शास्त्री

कोरबा (दिव्य आकाश)।

आशीर्वाद प्वाइंट, पं. दीनदयाल सांस्कृतिक भवन टीपी नगर कोरबा में कबुलपुरिया परिवार द्वारा पितृमोक्षार्थ गया श्राद्ध निमित्त श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह महोत्सव के पांचवें दिन भागवत भूषण आचार्यश्री मृदुलकांत शास्त्री ने अपने सारगर्भित प्रवचन में भगवान श्री कृष्ण की बाल लीला का अनुपम वर्णन करते हुए कहा कि श्री कृष्ण- मइय्या यशोदा जैसी दिव्य सुंदरता पूरी दुनिया में कहीं नहीं मिलेगी। श्याम वर्ण होने के कारण ही उनका नाम श्याम सुंदर पड़ा। काला रंग होने के कारण उन्हें श्याम भी कहा जाता है।

आज जहां देखो काले रंग को गोरा रंग में बदलने के लिए व्हाईट टोन जैसी क्रीम का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बाहरी आवरण को दमकाने के बजाय मन और आत्मा को पुष्ट करने के लिए अच्छा कार्य करें। अच्छे मनुष्य की पहचान रंग रूप से नहीं बल्कि उनके अच्छे गुणों के कारण होती है। उन्होंने कहा कि श्याम रंग होने के बाद भी पूरी दुनिया में भगवान कृष्ण जैसा सुंदर कोई नहीं। बाल लीला का अनुपम प्रहसन सुनाते हुए आचार्य श्री ने कहा कि कृष्ण को जरा भी घमंड नहीं था और विनम्र होकर उन्होंने कंस जैसे महाबलशाली को भी मार दिया।

विनम्रता ही बड़े लोगों की पहचान होती है, इसलिए विनम्र बनो और ऐसा कार्य करें, जिससे देश, समाज और मानव जाति को लाभ मिले। आचार्यश्री के श्रीमुख से कृष्ण की बाल लीलाओं की कथा सुनकर श्रोतागण ऐसे आल्हादित हुए, जैसे भगवान श्री कृष्ण स्वयं नजरों के सामने बाल लीला कर रहे हैं। माता यशोदा का वात्सल्य प्रेम देखकर उपस्थित माताएं भी संतान प्रेम से रोमांचित हो रहे थे। उन्होंने किस तरह इंद्र का घमंड तोड़कर गोवर्धन पहाड़ को महिमामंडित किया, इसकी भी कथा सुनायी। कथा समाप्ति के बाद भगवान कृष्ण को छप्पन भोग अर्पण किया गया और छप्पन भोग महोत्सव मनाया गया। खास तौर पर माखन चोर को माखन खिलाया गया। कथा समाप्ति के पूर्व मटका फोड़ का प्रहसन आया और बाल कृष्ण के रूप में सजाए गए बालक से मटकी फोड़वाया गया और श्रोतागण संगीत की धून पर थिरकते रहे।

कथा श्रवण करने पहुंची सांसद ज्योत्सना

श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत कथा स्थल पहुंची और ब्यास पीठ में विराजमान आचार्यश्री मृदुलकांत शास्त्री से आशीर्वाद लिया और आचार्यश्री ने उन्हें नारियल भेंट कर गमछा भी समर्पित किया और उनका अभिनंदन किया। श्रीमती महंत बैठकर घंटों तक श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण किया। उनके साथ महापौर राजकिशोर प्रसाद, सभापति श्यामसुंदर सोनी, हरिश परसाईं, श्रीमती सपना चौहान, श्रीमती उषा तिवारी, संतोष राठौर सहित अन्य कांग्रेसी भी उनके साथ कथा श्रवण किया।

बाल कृष्ण, गोवर्धन पर्वत की झांकी लोगों को आई पसंद

आज बाल कृष्ण लीलाओं का वर्णन किया गया, गोवर्धन पर्वत की महत्ता बतायी गई और झांकी में गोवर्धन पूजा करते कृष्ण को दिखाया गया। भगवान बाल कृष्ण को छप्पन भोग लगाते हुए झांकी ने सभी का मन मोह लिया और ये झांकी सबको पसंद आयी। मटकी फोड़ का लाईव देखकर सब रोमांचित भी हुए।

बिना सुरक्षा उपकरण के तोड़ रहे ठेकाकर्मी सीएसईबी कोरबा पूर्व के जर्जर मकानों को, सिविल के अधिकारी सोनी ने कहा-सोमवार को बात करेंगे

कोरबा (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी डीएसपीएम की कालोनी कोरबा पूर्व के 200 से अधिक जर्जर मकानों को तोड़ने का काम प्रारंभ कर दिया गया है। जिन जर्जर मकानों में कोई नहीं रहता, उन्हें सिविल विभाग द्वारा तोड़ने का काम प्रारंभ कर दिया गया है। पुष्ट सूत्रों ने जो जानकारी उपलब्ध करायी है, उसके मुताबिक सभी जर्जर मकानों को तोड़ने का ठेका कर्नाटक की कंपनी मेसर्स स्टील यार्ड को दिया गया है। हमारे प्रतिनिधि ने ब्लूबर्ड स्कूल के सामने हथौड़े से बिना सुरक्षा उपाय के जर्जर मकान को तोड़ते समय ठेका कर्मी की तस्वीर उतारी। 30 फीट ऊपर मकानों को सिर्फ हथौड़े से तोड़ा जा रहा है, वह भी बिना सुरक्षा किट के। जब इस संबंध में सीएसईबी कोरबा पूर्व सिविल के सहायक अभियंता विनय सोनी से इस संबंध में प्रतिक्रिया जानने फोन नंबर 97135-11100 पर कॉल की गई तो विनय सोनी ने कहा- सोमवार को ड्यूटी समय बात करेंगे।

सीएसईबी सिविल के अधिकारियों की इस लापरवाही का खामियाजा ठेका कर्मचारी भुगत सकते हैं। 30 फीट ऊपर जर्जर दीवारों एवं छतों को ठेका कंपनी द्वारा सिर्फ बड़े-बड़े हथौड़ों से तुड़वाया जा रहा है और कभी भी बड़ी दुर्घटना होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता, फिर भी सिविल के अधिकारियों एवं ठेका कंपनी द्वारा इस तरह की लापरवाही की जा रही है। कोरबा में इस तरह की लापरवाही से अब तक कई घटनाएं हो चुकी हैं, बावजूद सीएसईबी के अधिकारी और ठेका कंपनी द्वारा इस तरह की लापरवाही की जा रही है।

जीर्णशीर्ण हो चुके सीएसईबी के क्वाटरों को तोड़ता कर्नाटक की कंपनी मेसर्स स्टील यार्ड का ठेका कर्मी

सांसद के निर्देश के बाद बरसात में नहीं कराया गया आवास खाली

बरसात प्रारंभ होते ही जुलाई के प्रथम सप्ताह में सीएसईबी कोरबा पूर्व सिविल विभाग द्वारा जीर्णशीर्ण आवासों का चिन्हांकन कर लिया गया था और तोड़ने का काम भी प्रारंभ कर दिया गया था। जर्जर आवासों में रह रहे लोगों को खाली करने का नोटिस दिया गया था, लेकिन सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत के निर्देश पर अधिकारियों ने बरसात तक ऐसे लोगों को मोहलत दी थी, लेकिन खाली आवासों को तोड़ने का काम जारी है।

ड्यूटी अवर में बात करेंगे

बिना सुरक्षा जर्जर मकानों को तोड़ रहे कर्मियों की सुरक्षा व्यवस्था को प्रतिक्रिया जानने एई विनय सोनी से बात की गई, तो उन्होंने ड्यूटी अवर में बात करने की बात कही

रेलवे व एसईसीएल पर निकला कोरबा सांसद का भड़ास

कोरबा (दिव्य आकाश)।

सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत जिले के दौरे पर पहुंची। इस दौरान उन्होंने कहा कि कोरबा जिले में सरपंच व सचिवों से रिकव्हरी की शिकायत पर सांसद ने कहा कि तानाखार विधानसभा क्षेत्रांतर्गत पाली विकासखण्ड के ग्राम पंचायत लिटियाखार की महिला सरपंच और उसके पति का निधन हो चुका है। वहीं उसके विकलांग पुत्र प्रताप सिंह से बलपूर्वक रिकव्हरी कराई जा रही है। इस पर सांसद ने कहा कि मानवीय पक्ष को ध्यान में रखकर व नियमों को ताक में रखकर किसी भी प्रकार की कार्यवाही न की जाए, साथ ही पंचायतों से रिकव्हरी के मामले में केवल जनप्रतिनिधियों को पार्टी न बना कर इसमें संलिप्त लोगों के खिलाफ निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की जाए। सांसद ने जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बारिश के दिनों में बिजली का नहीं होना ग्रामीणों में परेशानी का सबब बना हुआ है। शहरी व उप नगरीय क्षेत्रों में सडक़ों को सुधारे जाने और आवागमन के लायक बनाए जाने की जरूरत पर बल देते हुए सांसद ने कहा कि हालात तो यह हो गई है कि एक ही बारिश में सडक़ें उखड़ रही हैं और इसमें चलने वाले लोगों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सांसद ने कहा कि बीते दिनों डीआरएम बिलासपुर में रेलवे सलाहकार समिति की बैठक में उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों को लेकर डीआरएम ने आश्वस्त किया है कि कोरबा के यात्री सुविधाओं को लेकर वे पूरी तरह सजग हैं। इस पर सांसद ने कहा कि रेलवे से यात्री सुविधाओं के नाम पर अपेक्षा करना उचित नहीं है। रेलवे केवल लदान पर ध्यान केंद्रित किए हुए है, उन्हें यात्री सुविधाओं से कोई सरोकार नहीं है। सांसद ने एसईसीएल प्रबंधन पर अपनी भड़ास निकालते हुए कहा कि एसईसीएल उत्खनन और रिकार्ड बनाने पर जुटा हुआ है, इन्हें न तो भू-विस्थापितों और न ही अपने कर्मचारियों के साथ-साथ प्रभावित क्षेत्र का सुध लेने की फुर्सत है।

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर राजवाड़े द्वारा आकाश आफसेट टीपी नगर कोरबा से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com